भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

18 सितम्बर- 24 सितम्बर 2024

भाद्रपद, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-29, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

मुख्यमंत्री ने किया श्रमदान, 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा की हुई शुरूआत

स्वच्छता एवं स्वस्थता एक दूसरे के पर्याय-शर्मा

सामूहिक जनभागीदारी से अभियान को सफल बनाने की अपील, मुख्यमंत्री ने की रिसाइकिल एप तथा जयपुर 311 एप की लॉचिंग, गोविन्ददेवजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर की प्रदेश खुशहाली की कामना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में मालवीय नगर पुलिया के पास स्वयं श्रमदान कर प्रदेश में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आमजन को जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था, जिसके सार्थक परिणाम हम सभी को देश में दिख रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेशभर में आज से 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े की शुरूआत की जा रही है। जिसके तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सामूहिक जन भागीदारी के श्रमदान के माध्यम से गांवों एवं शहरों में सफाई तथा स्वच्छता का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एवं स्वस्थता एक दूसरे के पर्याय हैं। जिस जगह स्वच्छता रहती है, वहां स्वस्थता अवश्य होगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण स्वच्छता बिना जन सहयोग के संभव नहीं है। ऐसे में हम सभी स्वच्छता के विजन को ध्यान में रखते हुए अपने नागरिक कर्तव्य निभाकर इस अभियान का हिस्सा बनें।

सफाई मित्र स्वच्छता के प्रहरी

शर्मा ने कहा कि इस महा अभियान में सफाई मित्र स्वच्छता के प्रहरी हैं। उनका बेहतर स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी प्रण लें कि हम न केवल अपने घरों को बल्कि देश एवं प्रदेश को स्वच्छ बनाएंगे। साथ ही, स्वच्छ तथा स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित राजस्थान की संकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए कृत संकल्पित है। हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान, बिजली-पानी की आपूर्ति के लिए आवश्यक कदम सहित विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजस्थान में न केवल 7 करोड़ पौधे प्रदेशभर में लगाए हैं बल्कि मानसून की मेहरबानी एवं राज्य सरकार के प्रयासों से बड़ी संख्या में पौधे जीवित हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगे भी सामाजिक सरोकारों के काम को सभी के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा।

रिसाइकिल एप से निगम करेगा सूखा कचरा श्रेणीवार एकत्रित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सफाई मित्रों को आयुष्मान कार्ड वितरित कर सम्मानित भी किया। इस दौरान महिला सफाई मित्र ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। शर्मा ने नगर निगम की 'रिसाइकिल' एवं 'जयपुर 311' एप्स का बटन दबाकर शुभारंभ किया। उन्होंने इन दोनों एप्स का पोस्टर विमोचन भी किया। 'रिसाइकिल एप' के माध्यम से नगर निगम द्वारा सूचना प्राप्त होने पर अब घर से ही सूखा कचरा श्रेणीवार एकत्रित किया जाएगा। साथ ही, घर पर ही निगम द्वारा ऑनलाइन भुगतान भी किया जाएगा। नगर निगम संबंधी समस्याओं के निस्तारण के लिए शहरवासी जयपुर 311 एप का प्रयोग कर सकते हैं। कार्यक्र म में मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया तथा निगम द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

ओसवाल परिवार स्नेह मिलन समारोह 23-24 को

आगरा के JAIPEE पैलेस में होगा आयोजन

» जागरूक जनता @ जयपुर। ओसवाल सोप ग्रुप द्वारा "ओसवाल परिवार स्नेह मिलन समारोह 2024" आगामी 23-24 सितम्बर को आगरा के Jaypee पैलेस होटल एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में देश भर से ओसवाल सोप ग्रुप से जुड़े डीलर, प्रमोटर, सप्लायर एवं वेंडर शामिल होंगे। कार्यक्रम में ओसवाल सोप ग्रुप डीलर मीट, एक्सीलेंस अवार्ड्स नाईट, फन इवेंट्स, म्यूजिकल नाईट से भरपूर कार्यक्रम शामिल किये गए हैं। एक्सीलेंस अवार्ड्स कार्यक्रम में देश के टॉप डीलर्स को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में ओसवाल सोप ग्रुप के सभी कंपनी डायरेक्टर भी उपस्तिथ रहेंगे। आगरा में होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम में सभी मेहमानों को ताजमहल की सैर भी करवाई जायेगी।

केजरीवाल का इस्तीफा, आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद अब दिल्ली में नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो जाएगी। सियासी गलियारों में आतिशी को केजरीवाल के भरोसेमंद साथियों में से एक माना जाता है। आतिशी आम आदमी पार्टी की संस्थापक सदस्यों में से एक हैं।

अब बनेगी आतिशी सरकार

इस्तीफे से पहले मुख्यमंत्री आवास पर आम आदमी पार्टी विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें आतिशी मार्लेना का नाम केजरीवाल की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों ने आतिशी के नाम पर मुहर लगाई। अब आतिशी शपथ ग्रहण करने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

JAGRUK CITY
जागरूक सिटी

02 जयपुर, बुधवार
18 -24 सितम्बर 2024

/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें

ऑनलाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

■ अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म जीव दिवस मनाया

» जागरूक जनता @ जयपुर। कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'संसाधन के रूप में सूक्ष्म जीव' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म जीव दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्मजीवों का हमारे दैनिक जीवन में महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल एवं उप-प्राचार्य डॉ. रंजना अग्रवाल ने प्रतियोगिता विजेताओं को पुरस्कृत किया और छात्राओं को उनके प्रयासों के लिये प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन और संचालन डॉ. नीतू महावर, डॉ. साक्षी सिंह, आस्था माथुर एवं आरती सोनी द्वारा किया गया।

■ आरपीएससी का पुनर्गठन हो या सरकार इसे भंग करे-पायलट

» जागरूक जनता @ जयपुर/अलवर। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एक बार फिर आरपीएससी को भंग करने की मांग की है। दिवंगत विधायक जुबेर खान को श्रद्धांजलि अर्पित करने अलवर आए पायलट ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि आरपीएससी का पुनर्गठन करके इसमें अच्छे लोगों को बैठाए। पायलट ने कहा कि आरपीएससी गंगोत्री है, जहां से लोगों को नौकरी मिलती है। अगर इसे भंग नहीं कर सकते तो पुनर्गठन करके नए लोगों को बैठाओ। सब हो सकता है, सरकार को कौन रोक रहा है। संदिग्ध लोगों को बैठाएंगे जो पैसे लेते हुए पकड़ें जा रहे हैं। जेल जा रहे हैं तो नौजवानों की संस्था के प्रति क्या आस्था बचेगी। उसे कौन मानेगा। अपराधियों के मकानों पर बुलडोजर चलाने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक को लेकर पायलट ने कहा कि कोई कानून तोड़ता है या जुर्म करता है तो उस पर कार्रवाई हो। लेकिन सत्ताधारी दल ताकत दिखाने के लिए इस तरह की कार्रवाई की अंजाम देते थे। भेदभाव करके सरकार कार्रवाई करती है। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर का स्वागत करता हूं। एक्प्रेस हाइवे पर हो रहे गड्ढों को लेकर पायलट ने कहा कि अयोध्या में भी पानी टपक रहा है। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की मूर्ति गिर गई है। ये इंफ्रास्ट्रक्चर की बात कर रहे थे। सूई घूम गई है। सब नजर आ रहा है; गुणवत्ता कहां है, कितनी लापरवाही से काम हुआ है। इस पर सरकार को जांच बैठानी चाहिए, दोषियों को सजा देनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) का उद्घाटन

अनुकूल निवेश नीतियों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की बना पसंद-शर्मा

राजस्थान ने सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता श्रेणी में हासिल किया द्वितीय स्थान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जीबिशन सेंटर में चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है। यहां का भड़ला सोलर पार्क 2 हजार 245 मेगावाट स्थापित सोलर क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क है। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों के लिए प्रदेश में अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में 28 गीगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से लगभग 470 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादित हो रही है और 32 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। साथ ही, राज्य में 142 गीगावाट सौर ऊर्जा और 284 गीगावाट पवन ऊर्जा के उत्पादन की संभावनाएं हैं। हम वर्ष 2031-32 तक 115 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान बनेगा ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार बिजली क्षेत्र में सुधारों के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। हमने 'विकसित राजस्थान 2047' के संकल्प को पूरा करने के लिए अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान के सभी जिलों में आदर्श सौर ग्राम विकसित किए जा रहे हैं। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए में 228 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं और 300 मेगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। कम्पोनेंट-सी के तहत राज्य को 4 हजार 524 मेगावाट की सौर परियोजनाओं का आवंटन किया गया है।

राइजिंग राजस्थान से आएगा ऊर्जा क्षेत्र में निवेश

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वैश्विक सहयोग, तकनीक, अनुसंधान, प्रशिक्षण और निवेश की सहायता से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में विगत 9 महीनों में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। साथ ही, केंद्र ने राज्य में 5 हजार 292 मेगावाट क्षमता के तीन अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्क भी स्वीकृत किए हैं। राज्य में 7 गीगावाट क्षमता की पंप स्टोरज परियोजनाओं हेतु 8 साइट चिह्नित की जा चुकी हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 200 गीगावाट क्षमता के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए राजस्थान को समारोह में सम्मानित किया गया। राज्य ने कुल सोलर ऊर्जा क्षमता श्रेणी में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करते हुए देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की श्रेणी में राजस्थान द्वितीय स्थान पर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के हाथों से यह पुरस्कार ग्रहण किए। कार्यक्रम में गुजरात राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येस्सो नाइक सहित विभिन्न देशों एवं राज्यों के प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कनागत आज से : अपने पूर्वजों के प्रति दिखाएं गे श्रद्धा भाव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाद्रपद मास के पूर्णिमा बुधवार (18 सितंबर) से पितृपक्ष आरंभ होंगे जो कि दो अक्टूबर तक चलेंगे। 23 सितंबर षष्ठी और सप्तमी तिथिका श्राद्ध होगा। वहीं, 28 सितंबर को कोई भी श्राद्ध नहीं निकलेगा। ब्राह्मण को भोजन कराने से पहले काकबलि, स्वान बलि, अग्नि आहुति, गाय भोजन, चिटियों को भोजन कराया जाएगा। पंचबलि पांच पत्तों पर ही निकाले। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि श्राद्ध में खीर, जलेबी, मालपुआ अर्पित करने मात्र से पित्र एक वर्षतक तृप्त रहते हैं अर्थात उन्हें एक वर्ष तक भूखनहीं लगती।

श्रद्धा का विशुद्ध रूप श्राद्ध हैं। हमारी सनातन संस्कृति हमें अपने पूर्वजों, बुजुर्गों की केवल उनके जीवित रहते ही सेवा करनेकी शिक्षा नहीं देती अपितु उनकेस्वर्ग गमन के बाद भी उनके प्रति भक्ति भाव और श्रद्धा भाव रखकर प्रतिवर्ष उनके निमित्त भोजन दान करके अपनी श्रद्धा प्रकट करने की प्रेरणा भी देती हैं।

3 अक्टूबर को नाना-नानी का श्राद्ध

- » 18 सितंबर बुधवार पूर्णिमा/प्रतिपदा
- » 19 सितंबर गुरुवार, द्वितीया
- » 20 सितंबर शुक्रवार, तृतीया
- » 21 सितंबर शनिवार, चतुर्थी
- » 22 सितंबर रविवार, पंचमी
- » 23 सितंबर सोमवार षष्ठी/सप्तमी
- » 24-सितंबर मंगलवार अष्टमी
- » 25 सितंबर बुधवार, नवमी
- » 26 सितंबर गुरुवार, दशमी
- » 27 सितंबर शुक्रवार,एकादशी
- » 28 सितंबर शनिवार कोई श्राद्ध नहीं
- » 29 सितंबर रविवार द्वादशी (संन्यासियों का श्राद्ध)
- » 30 सितंबर सोमवार त्रयोदशी
- » 01 अक्टूबर मंगलवार चतुर्दशी (अकाल मृत्यु,)
- » 02 अक्टूबर बुधवार अमावस्या (अज्ञात मृत्यु)
- » 03 अक्टूबर गुरुवार नानानानी श्राद्धनवरात्रि आरंभ

राज्यपाल बागडे ने की गणेश आरती, देश-प्रदेश समृद्धि की मांगी खुशहाली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सी स्कीम स्थित महाराष्ट्र भवन में आयोजित सार्वजनिक गणेशोत्सव में पहुंचे। उन्होंने महाराष्ट्र के जयपुर रहने वाले लोगों से संवाद किया। वहीं उन्होंने जयपुर महाराष्ट्र मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों का भी अवलोकन किया। बाद में बागडे ने वहां स्थापित भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने गणेश जी की आरती उतारते हुए राष्ट्र तथा राज्य की समृद्धि और सम्पन्नता की कामना की।

ईद मिलादून नबी के जुलुस में हाजी महबूब भाई ने शिरकत की

» जागरूक जनता @ जयपुर। हुजूर मोहम्मद साहब के यौमे विलादत के मोके पर किशनगढ़ मे हजारों की ता दाद मे मुस्लिम धर्म वैलियो ने जुलुस निकाला जिसमे किशनगढ़ विद्यायक विकास चौधरी मुस्लिम सदर सक्की भाई ऑल इण्डिया मंसूरी समाज प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी महबूब भाई ऑल इंडिया मंसूरी समाज जिला अध्यक्ष हाजी हिसामुदीन मंसूरी वह कई गणमान्य लोगो ने जुलुस मे शिरकत की। जगह जगह जुलुस का इस्तक़बाल किया गया। हाजी महबूब भाई ने बताया की आका मोहम्मद साहब ने कहा हर धर्म का सम्मान करो ओर उन के अनुयायीयों के साथ न्याय करो। यह संदेश हमें भाईचारे की ओर ले जाता है।

संतों का किया स्वागत

» जागरूक जनता @ जयपुर। विद्याधर नगर नया खेड़ा की कृष्णा कॉलोनी स्थित मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम में हरिद्वार से पधारे जगत गुरु अयोध्या चार्य महाराज का योगिराज रघुवीर दास महाराज ने माला दुपट्टा पहनाकर आरती से स्वागत किया गया। महंत रामानंददास महाराज ने बताया कि राजस्थान में प्रमुख देवस्थानों का भ्रमण कर मन्दिर आश्रम में संतों का आगमन हुआ है और भक्तजनों को आशीर्वाद देने संतगण आ रहे हैं। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह सांचौरा, मंदिर पुजारी राम लोचन दास महाराज, रमेश दास महाराज, गोविंद दास महाराज एवं गुरुकुल शिष्य हिमांशु तिवारी, शिवम तिवारी, रामू ठाकुर पूरणमल गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग अयोध्याचार्य महाराज से प्रवचन सुनने व आशीर्वाद लेने पहुंचे।

'सेफ़ सोशल मीडिया एंड डिजिटल पेमेंट' विषय जागरुकता अभियान का शुभारंभ

» जागरूक जनता @ जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के टीचिंग-लर्निंग सेंटर द्वारा डॉ. सीबीएस साइबर फाउंडेशन, जयपुर एवं सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में 'सेफ़ सोशल मीडिया एंड डिजिटल पेमेंट' विषय पर जागरुकता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रवि प्रकाश मेहरडा, आईपीएस, डीजी एसीबी एवं मुख्य वक्ता डॉ. अमनदीप सिंह कपूर,आईपीएस, निदेशक सीडीआईटी रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य, डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान में छात्राओं को साइबर अपराधों के बारे में कक्षा स्तर पर जागरूक किया जायेगा। डॉ. सीबी शर्मा, संस्थापक, सीबीएस, साइबर फाउंडेशन ने डिजिटल प्रोटेक्शन एक्ट, सोशल इंजीनियरिंग, स्किमिंग, और एटीएम कार्ड क्लोनिंग जैसे साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को इन खतरों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में भी बताया।

फ्री स्कूटी, हायर एज्यूकेशन, स्कॉलरशिप के आवेदन 20 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने विभिन्न छात्रवृत्ति और शिक्षा योजनाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि घोषित कर दी है। विभाग ने बताया कि इन योजनाओं के लिए आवेदन पोर्टल 20 सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद दो करीब दो महीने तक अलग अलग योजना के अनुसार छात्र अपनी योग्यता और नियम को फॉलो करते हुए इन योजनाओं का हिस्सा बन सके हैं।

इनके लिए नोटिफिकेशन

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा योजना, विधवा परित्यागता छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री बीएड संबल, देवनारायण स्कूटी योजना, कालीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना और 12वीं बोर्ड में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली एससी-एसटी छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा योजना सहित कई अन्य योजनाओं के लिए आवेदन किया जा सकता है। विभाग ने योजनाओं के नाम और विवरण जारी कर दिए हैं। इच्छुक छात्र-छात्राएं 20 सितंबर से शुरू होने वाले पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 नवंबर है।

छात्रों से शिक्षा विभाग की ये अपील

शिक्षा विभाग ने छात्रों से अपील की है कि वे समय रहते आवेदन करें और किसी भी तरह की समस्या के लिए विभाग के संपर्क में रहें। जानकारी के लिए छात्र शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं। बीस नवम्बर तक इन योजनाओं पर मिले आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और फिर बच्चों को इसका फायदा दिया जाएगा।

108 पार्थिव शिवलिंगों का हुआ अभिषेक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। किसकन्धा धाम बालाजी मंदिर के आचार्य और महंत बालिदास जी महाराज के नेतृत्व मैं वेद राम अवतार शर्मा अध्यक्ष और कमल मिश्रा सचिव तथा कार्य कार्यक्रम के संयोजक विनोद अग्रवाल तथा आचार्य राजेश शास्त्री तथा कमल पाठक और साथ के अन्य वैदिक आचार्य द्वारा बीते दिनों किष्किंधा धाम मंदिर सन एंड मून सीकर रोड पर भोलेनाथ की बारात आयोजन 108 पार्थिव शिवलिंग पूजन पूजा कर भव्य और बहुत ही आनंद में माहौल में मनाया गया। जिसमें सुबह 501 कलश के साथ शोभायात्रा निकाली गई तथा पूरे दिन वैदिक पथ और पार्थिव 108 पार्थिव शिवलिंग की पूजा की गई जिसमें गंगाजल नदियों से लाई गई मिट्टी से शिवलिंग बनाकर गन्ने का रस भांग धतूरा बेलपत्र भी प्रकार की सामग्रियों सहित अभिषेक किया गया तथा भव्य झांकियां शिव की बारात पार्वती गंगा कि संजीव झांकियां हनुमान की झांकी आदि निकल गई जिसका सभी ने भरपूर भक्ति भाव से पूजा कर आनंद लिया तथा आसपास के लोगों ने भी भाग लेकर बाद में सामूहिक माहा प्रसादी का आनंद लिया श्री राजेश जी शास्त्री ने बताया यह उनका 18वां पार्थिव लिंग की पूजा का आयोजन बहुत ही सुंदर और वैदिक मित्रों के साथ किया गया इसके लिए सभी आयोजक समिति और टीम को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं विश्व में नाम रोशन किया जा सके।

जयपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मनाया स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024

स्टेशनों पर ली गई स्वच्छता की शपथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर "स्वच्छता ही सेवा अभियान" की शुरुआत की गई। मंडल पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है अभियान। अभियान के प्रथम दिन मंगलवार को जयपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मण्डल रेल प्रबंधक विकास पुरवार द्वारा रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता शपथ दिलाई जिसके द्वारा सभी रेलकर्मियों ने 100 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने तथा 100 अन्य व्यक्तियों को इस कार्य के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। साथ ही मंडल कार्यालय में पौधारोपण कर "एक पेड़ माँ के नाम" पौधारोपण अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर संजीव दीक्षित अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन), गौरव गौड़ अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा), पीयूष जोशी (मु.प.प्र) जीएसयू एवं मण्डल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम में भागीदारी कर पौधारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त मण्डल के अन्य स्टेशनों, रेलवे कॉलोनीयों, रेलवे स्कूल बांदीकुई, रनिंग रूम, कोचिंग डिपो, केन्द्रीय हॉस्पिटल, स्वास्थ इकाइयों इत्यादि में स्वच्छता शपथ एवं पौधारोपण किए गए एवं स्वच्छता जागरूकता रैली की गई। इस अभियान के अंतर्गत आज (बुधवार) सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिसके अंतर्गत रेलवे स्टेशनों,रेलवे कॉलोनियों तथा रेल इकाइयों में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे व उन्हें सुरक्षा तथा अन्य उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

जागरूक खबरें

डॉ. समित ने किया पांच बत्ती स्थित बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय का निरीक्षण

» जागरूक जनता @ जयपुर। डॉ समित शर्मा, शासन सचिव पशुपालन ने पांच बत्ती स्थित बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय में पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया। डॉ शर्मा ने चिकित्सालय में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने ओपीडी सेवाओं की समीक्षा करते हुए दैनिक चार्ट के समुचित दस्तावेजीकरण और कर्मचारियों तथा बीमार पशुओं के लिए सुविधाओं को अपडेट रखने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने निर्देश दिया कि टीकाकरण कार्यक्रमों की समयबद्धता सुनिश्चित हो जिससे पशुओं को टीकाकरण की कमी से होने वाले रोगों से बचाया जा सके। चिकित्सालय में उपलब्ध जांच सुविधाओं का भी जायजा लिया और निर्देश दिए कि इनके लिए प्रयुक्त होने वाले उपकरण आधुनिक तकनीकी से लैस हो जिससे रोगों की जांच और निदान समय पर और सटीक तरीके से हो सके। डॉ शर्मा ने पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए चिकित्सालय में विशेषज्ञों की तैनाती और दवाओं की नियमित रूप से आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

5 साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में सृजित होंगे 10 लाख रोजगार-शर्मा

अपनी मेहनत से होनहार प्रतिभाएं -देश और समाज का नाम करती हैं रोशन, राज्य सरकार युवाओं को उपलब्ध करवा रही आगे बढ़ने के अवसर - मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। शर्मा जयपुर की बस्सी तहसील स्थित बेनाड़ा धाम में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर की ओर से आयोजित सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा कि आपसी भाईचारे की भावना और सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही हम विकसित राजस्थान का संकल्प साकार कर सकते हैं।

राज्य सरकार युवाओं को उपलब्ध करा रही आगे बढ़ने के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत एवं समृद्ध समाज की नींव शिक्षा पर टिकी है इसलिए राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रही है। 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा में मैरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को 3 साल तक की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ टेबलेट निःशुल्क दिए जा रहे हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित कम्पनियों के माध्यम से कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संचालित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागों में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। राज्य में 20 नए आईटीआई और 10 पॉलीटेक्नीक कॉलेज खोले जाएंगे। स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत विद्यार्थियों की देश-विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि कौशल विकास के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर 2 साल में लगभग 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। अटल इनोवेशन स्टूडियो की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 5 साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर कला, विज्ञान, खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं, साथ ही उन्हें बुजुर्गों की सेवा करने के संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सपनों की उड़ान भरने के लिए संभावनाओं का आसमान खुला है।

किसान जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा देता है

शर्मा ने कहा कि महान ऋषि हारित ने कृषि के महत्व को समझा और हमें सिखाया कि खेती रोजी-रोटी कमाने का जरिया ही नहीं है, बल्कि यह एक पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि मैं भी खेती-किसानी से जुड़ा हुआ हूं। कृषक विपरीत परिस्थितियों में भी कठोर परिश्रम से अन्न उगाकर लोगों का पेट भरता है और हमें जीवन में चुनौतियों से संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

राइजिंग राजस्थान : सीएम भजनलाल ने ली समीक्षा बैठक

जिलों में भी होगी प्री-समिट, यूएई और कतर में होगा रोड शो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विदेश दौरे से लौटने के बाद राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इसमें दिल्ली में होने वाले डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स मीट की तैयारियों के साथ ही विभाग व जिला स्तर पर भी प्री-समिट के आयोजन करने के लिए कहा।

विभाग स्तर पर होगी प्री-समिट आयोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन, नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए।

जिला स्तर पर भी होंगे इन्वेस्टर्स मीट

शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी। इसके लिए जिला कलक्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें।

देश-विदेश जाने वाले अधिकारी रहें अपडेट

मुख्यमंत्री ने देश-विदेश में निवेशकों के साथ संवाद करने वाले अधिकारियों से कहा कि वे समिट को लेकर पूरी जानकारी रखें। निवेशकों को क्या सुविधाएं प्रदेश में दी जाएंगी, इस जानकारी से भी अपडेट रहें। राजस्थान फांउडेशन के तहत प्रवासी राजस्थानियों को भी प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करने के लिए कहा गया।

बैठक में ये लोग रहे मौजूद

बैठक में सीए सुधांश पंत, एसीएस वित्त अखिल अरोड़ा, एसीएस सीएमओ शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा,सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

यूएई और कतर में होगा रोड शो

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 17 से 19 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से मिलने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर का दौरा करेगा। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के अनुसार खाड़ी देशों के निवेशकों को इस साल दिसंबर में जयपुर में आयोजित होने वाले इन्वेस्टमेंट समिट के लिए भी आमंत्रित करेगा। अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी, लुलु इंटरनेशनल, डीपी वर्ल्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट काउंसिल, मुबाडला इन्वेस्टमेंट, अबू धाबी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, कतर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जैसी कई कंपनियां और संस्थाएं शामिल हैं। दुबई (यूएई) और दोहा (कतर) में दो अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोड शो होंगे। प्रतिनिधिमंडल में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव जोगाराम, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन के एडिशनल कमिश्नर सौरभ स्वामी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

सांवलिया सेठ को भक्त ने बनाया लीगल पार्टनर, 10% हिस्सा देगा

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। मेवाड़ के आराध्य देव श्री सांवलिया जी के भक्त सांवलिया सेठ को अपना पार्टनर बनाते हैं ताकि बिजनेस हो या नौकरी, सब में तरक्की हो। भक्त सांवलिया सेठ के दरबार में आकर उनका हिस्सा दान करते हैं और अपना वादा पूरा करते हैं। पिछले महीने भंडार से 19 करोड़ 45 लाख रुपए निकले थे। इसके अलावा 320 ग्राम सोना और 95 किलो चांदी भी मिली थी। हाल ही खोले गए दान राशि भंडारे से एक स्टांप पेपर निकला है। इसमें जयपुर के एक भक्त ने अपनी सैलरी के अलावा होने वाली कमाई में सांवरा सेठ को 10% हिस्सेदार बनाया है। इस महीने खुले भंडारे से एक साझेदारी पत्र मिला। भक्त ने 50 रुपए का एक स्टाम्प पेपर सांवलिया जी के भंडारे में डाल कर गया था। भक्त ने यह एग्रीमेंट पेपर 28 अगस्त को बनाया था। एग्रीमेंट के अनुसार भक्त हर 3 माह में एक बार सांवरा सेठ के दर्शन करने आएंगे और 3 माह में होने वाली कमाई का 10% अपने पार्टनर सांवरा सेठ को देगा।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

राजस्थान पर्यटन विभाग ने लॉन्च किए सस्ती दरों वाले 15 टूर पैकेज

जयपुर-पुष्कर अजमेर पैकेज सबसे सस्ता 9500 में

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पर्यटन सीजन की शुरुआत एक अक्टूबर से होगी। इसके लिए पर्यटन निगम ने राज भ्रमण नाम से 15 नए सस्ती दरों वाले टूर पैकेज जारी किए हैं। इसमें धार्मिक, वाइल्ड लाइफ, डेजर्ट, राजस्थान दर्शन, अरावली दर्शन आदि के पैकेज शामिल हैं। इसके तहत 9500 रुपए में जयपुर से अजमेर-पुष्कर सबसे सस्ता टूर पैकेज है। वाइल्ड लाइफ पैकेज 20 हजार 500 रुपए में जयपुर-सरिस्का-सिलीसेढ़-जयपुर टूर को शामिल किया गया है। इसके साथ ही बेस्ट ऑफ वाइल्ड लाइफ पैकेज 37500 रुपए का है। इसमें जयपुर-रणथंभौर-भरतपुर वाया डीग-सरिस्का-जयपुर का भ्रमण शामिल है। वहीं, 75 हजार रुपए तक का राजस्थान टूर, रिलीजियस टूर पैकेज के साथ ही पर्ल ऑफ राजस्थान, एग्जॉटिक राजस्थान जैसे खास टूर पैकेज शामिल हैं।

पर्यटन निगम की साइट पर टूर पैकेज की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि सबसे छोटा एक रात व दो दिन का टूर पैकेज जयपुर-अजमेर-पुष्कर का है। इसमें दो व्यक्तियों के लिए जयपुर से अजमेर और पुष्कर भ्रमण शामिल है। पर्यटकों को राजस्थान पर्यटन निगम के होटलों में ठहराया जाएगा।

अधिकारियों का मानना है कि इससे अलवर में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। पर्यटन निगम की आय में भी इजाफा होगा। गौरतलब है कि सरिस्का में वाइल्ड लाइफ टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। यहां बाघ को देखने का पर्यटकों में उत्साह रहता है। इसी तरह सिलीसेढ़ झील भी इस बार बरसात के चलते लबालब है।

सीबीएसई राजस्थान के 5 स्कूलों को नोटिस जारी

सीकर की प्रिंस स्कूल समेत 4 स्कूलों में मिला डमी नामांकन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) राजस्थान के कई बड़े स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। हाल ही में सीबीएसई ने राजस्थान और दिल्ली के 27 स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें इन स्कूलों में डमी नामांकन मिला। इसमें राजस्थान के 5 स्कूलों के नाम शामिल हैं।

बोर्ड ने इन सभी स्कूलों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें सीकर के प्रिंस उच्च माध्यमिक विद्यालय, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सीकर के अलावा कोटा के तीन विद्यालय शिव ज्योति कान्वेंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, एलबीएस कॉन्वेंट स्कूल, लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल शामिल है।

बोर्ड ने जारी प्रेस नोट में बताया कि सीबीएसई ने राजस्थान और दिल्ली में बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों में औचक निरीक्षण की। इन निरीक्षणों के दौरान, बोर्ड के उपनियमों के कई उल्लंघनों की पहचान की गई, विशेष रूप से इन संस्थानों के नामांकन और उपस्थिति में गड़बड़ी पाई गई।

बोर्ड ने कहा- 'निरीक्षणों से पता चला कि स्कूलों ने कक्षा ग्यारवीं और बारहवीं में अधिक संख्या में छात्रों को नामांकित किया था, जो शारीरिक रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते हैं। इसके अलावा, इन स्कूलों द्वारा बनाए गए उपस्थिति रिकॉर्ड में विसंगतियां पाई गई, जिससे सीबीएसई नियमों के उनके अनुपालन पर संदेह हुआ।'

इन निष्कर्षों के जवाब में, सीबीएसई ने 27 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

सैलानियों के लिए खुशखबरी! कल से फिर शुरु होगी टाइगर सफारी

» जागरूक जनता @ सवाईमाधोपुर। यूं तो रणथभौर में एक अक्टूबर से एक बार फिर नया पर्यटन सीजन शुरू होना है। लेकिन वर्तमान में बीते दिनों आई तेज बारिश के कारण रणथभौर के बाहरी जोन यानि 6 से 10 में भी पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग की ओर से सफारी पर रोक लगा रखी है। हालांकि अब बारिश का दौर थमने के बाद वन विभाग की ओर से एक बार फिर बाहरी जोनों में पर्यटकों को सफारी कराने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में वन विभाग की ओर से अंतिम निर्णय नहीं किया गया है।

रास्तों और हालातों का लिया जा रहा जायजा

बारिश का दौर थमने के बाद बाहरी जोनों में एक बार फिर पर्यटकों के लिए सफारी को शुरू करने से पूर्व वन विभाग के अधिकारियों की ओर से जोन छह से दस के रास्तों की स्थिति और मरमत का जायजा लिया जा रहा है। यदि वन विभाग के अधिकारी हालातों से संतुष्ट हुए तो जल्द ही एक बार फिर से बाहरी जोनों में पर्यटकों को भ्रमण पर भेजना शुरू किया जा सकता है।

19 सितबर से शुरू होने की संभावना

रणथभौर के बाहरी जोनों में एक बार फिर से सफारी को शुरू करने को लेकर विभाग की ओर से बारिश का दौर थमने के साथ ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसको लेकर वन अधिकारी बाहरी जोनों का दौरा कर रहे हैं। साथ ही विभाग की ओर से क्षतिग्रस्त हुए पर्यटन रास्तों की मरमत का काम भी शुरू करा दिया है। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अगर अब और अधिक बारिश नहीं आई और सब कुछ ठीक रहा तो 19 सितबर से एक बार फिर से बाहरी जोनों में सफारी को शुरू कर दिया जाएगा।

संस्कारों और नैतिकता से दूर क्यों हो रही युवा पीढ़ी

हम आधुनिकता की चकाचौंध में लगातार भाग रहे हैं। इस अंधी दौड़ में न केवल अपनी संस्कृति, सभ्यता व संस्कारों को दरकिनार कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी इनसे दूर करते जा रहे हैं। अगर यही सब ऐसे ही चलता रहा तो शिष्टाचार, नैतिकता महज शब्दकोष में लिखित अक्षर बनकर रह जाएंगे। इन्ही हालात को देखते हुए ही नई दिल्ली में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवन ने कहा कि भारत में भी परिवार के संस्कारों को खतरा है। मीडिया के दुरुपयोग से नई पीढ़ी बहुत तेजी से अपने संस्कार भूल रही है, इसलिए हफ्ते में एक बार निश्चित समय पर अपने कुटुंब के सब लोगों को एक साथ बैठना चाहिए। अपनी श्रद्धा अनुसार घर में भजन-पूजन, उसके बाद घर में बनाया हुआ भोजन साथ में करें। समाज के लिए भी कुछ न कुछ करें। इसके लिए छोटे-छोटे संकल्प लें। वैसी भी यही हमारी संस्कृति है। किसी भी विषय को ले लें, हम अपनी युवा पीढ़ी पर पूरा दोष डालकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। सवाल यह नहीं कि आज की युवा पीढ़ी में नैतिकता व शिष्टाचार की कमी हो रही है, बल्कि सवाल यह है कि क्या सिर्फ युवा पीढ़ी पर दोषारोपण से हमारी जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। क्या हम युवा पीढ़ी के लिए अपना कर्तव्य निष्ठा से निभा रहे हैं। क्या सारी गलती युवा पीढ़ी की ही है। आज उनमें अगर संस्कारों, शिष्टाचार की कमी हो रही है तो उसकी वजह सिर्फ और सिर्फ हम हैं, क्योंकि हम उनमें संस्कार नैतिकता शिष्टाचार नहीं भर पा रहे हैं। बच्चों का अनैतिक होने के लिए हम जिम्मेदार हैं। बच्चों में अनैतिकता के प्रवेश से न केवल उनके, बल्कि पूरे समाज के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगता है। इसके चलते अनेक तरह की बुराइयों को जगह मिलती है। नशा, अपराध इसी से ही पनपते हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जब बच्चा छोटा होता है तो उसका दिमाग खाली होता है। ये हम पर हैं कि हम उसके दिमाग में क्या भरते हैं। आप उसको जिस प्रकार के संस्कार व शिक्षा देंगे उसी राह पर वह आगे बढ़ता है। अगर बाल्यकाल में बच्चों को यह शिक्षा दी जाती है कि चोरी करना बुरी बात है तो वह चोरी जैसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचेगा। बाल अवस्था में बच्चों को संस्कारित करने में माता-पिता, दादा-दादी व बुजुर्गों का बड़ा हाथ होता था। कहानियां भी प्रेरणादायी होती थीं। आज हम बच्चों को कहानी सुनाने की बजाय मोबाइल फोन थमा रहे हैं। उसमें न जाने क्या-क्या देखा जा रहा है। एक नैतिक शिक्षा की पुस्तक होती थी। आज वह पुस्तक गायब हो चुकी है। ढेरों कंप्यूटर गेम्स, वीडियो गेम्स, फिल्मी गानों की दुनियाभर की सीडी मिल जाएंगी, लेकिन भगत सिंह, स्वामी विवेकानंद आदि के जीवन की कहानियों की किताब स्कूल बैग से गायब ही हो चुकी हैं। यहा तक कि हम कोशिश भी नहीं करते कि अपने बच्चों को ऐसी किताबे दें जिससे वह नैतिकता व शिष्टाचार को समझें। यह बात जरूर है कि आजकल की युवा पीढ़ी नैतिकता तथा शिष्टाचार को भूल सी गई है। संस्कारों का अभाव कहीं भी देखने को मिल सकता है। युवा पीढ़ी में संस्कार, नैतिकता व शिष्टाचार की कमी न हो, इसके लिए हमें स्वयं से ही शुरुआत करनी होगी। सबसे पहले खुद को बच्चों के साथ जोड़ना होगा। यह सही है कि आज भी भागदौड़ भरी जिंदगी में समय का अभाव है, लेकिन बच्चों के लिए समय निकालना जरूरी है। जो टाइम आप और हम फोन पर खर्च करते हैं। वो बच्चों को देना शुरू करें। उनको अच्छी तरह से समझें और उनके दिल की बात जानें, तभी हम उन्हें संस्कारों से जोड़ पाएंगे।

ड्रग्स की लत को अपराध की बजाय एक स्वास्थ्य संबंधी समस्या के रूप में देखना और उसके आधार पर नीतियां बनाना बहुत मददगार हो सकता है। साथ ही नई सोच पर आधारित नीतियां बनाते समय लोगों को यह समझाना भी जरूरी है कि दवाओं का ओवरडोज किस तरह उनकी सेहत को खोखला कर रहा है।

सेहत को नष्ट कर रहा है दवाओं का ओवरडोज

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ड्रग ओवरडोज किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। यह बहुत छोटे बच्चों और किशोरों से लेकर 30 के दशक के मध्य तक के लोगों में सबसे आम है। इसलिए ड्रग्स की समस्या के शिकार लोगों की जरूरतों को समझ कर उन्हें आवश्यक सहायता पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है।

हम में भले ही इस बात पर आसानी से यकीन नहीं होगा, लेकिन यूरोप के ज्यादातर देश आज ड्रग ओवरडोज की समस्या से जूझ रहे हैं। ड्रग ओवरडोज तब होता है जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पर्चे या ओवर-द-काउंटर दवा की चिकित्सकीय रूप से अनुशंसित खुराक से ज्यादा ले लेता है। हालाँकि, कुछ लोग कुछ दवाओं के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो सकते हैं, इसलिए किसी दवा को चिकित्सीय सीमा से अधिक लेना उनके लिए विषाक्त हो सकता है। दवाओं या रसायनों की ओवरडोज आकस्मिक या जानबूझकर हो सकती है। अनेक मामलों में लोग नशे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अवैध दवाओं का अत्यधिक मात्रा में सेवन करते हैं। खुराक जितनी अधिक होगी, विषाक्तता उतनी ही खतरनाक होगी।

ड्रग ओवरडोज किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। यह बहुत छोटे बच्चों और किशोरों से लेकर 30 के दशक के मध्य तक के लोगों में सबसे आम है। एक दशक पहले तक अमेरिका में नशीली दवाओं के ओवरडोज से 47,055 मौतें हो जाती थीं। आज यह संख्या दोगुनी हो गई है। ओवरडोज के लक्षण तेजी से प्रकट हो सकते हैं, लेकिन कभी-कभी लोगों को लक्षण दिखने में देरी भी हो सकती है। सभी ओवरडोज घातक या जीवन के लिए खतरा नहीं होते, तथापि यदि ओवरडोज का संदेह हो या हो चुका हो तो हमेशा चिकित्सीय सलाह लेनी चाहिए।

पिछले कई सालों से कनाडा में ओवरडोज के कारण होने वाली मौतों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। कुछ दशकों पहले ओवरडोज से सालाना सौ दौ सौ मौतें असाधारण बात नहीं मानी जाती थी। लेकिन अब ओवरडोज से सालाना आठ से दस हजार लोग मर रहे हैं। इसमें महिला, पुरुष और हर उम्र के लोग शामिल हैं। फ़िलहाल कनाडा में 14 से 65 वर्ष के आयुवर्ग में ड्रग ओवरडोज लोगों की मौत का सबसे बड़ा कारण बन गया है। इसका आर्थिक पहलू यह है कि ड्रग और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान की वजह से एक औसत कनाडाई व्यक्ति को सालाना लगभग 1300 डॉलर्स का नुकसान होता है। इस समस्या से निपटने में एक बड़ी मुश्किल यह है कि समाज के डर से नशे की लत का शिकार हो चुके लोग सहायता लेने के लिए सामने नहीं आना चाहते। ओवरडोज की समस्या पूरे देश में है मगर इस समस्या को लेकर ज्यादा ध्यान बड़े शहरों पर जाता है जबकि

ओवरडोज के कारण होने वाली मृत्यु दर छोटे शहरों और क़स्बों में अधिक है और यह एक पेचीदा समस्या है। 2016 में कनाडा के राज्य ब्रिटिश कोलंबिया में ड्रग ओवरडोज से मृत्युदर में बड़ी वृद्धि के कारण स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया गया था। वैंकूवर ब्रिटिश कोलंबिया का सबसे बड़ा शहर है। बंदरगाह वाले सभी शहरों की तरह यहां भी ड्रग्स की समस्या हमेशा रही है। यहां विविध समुदाय के लोग हैं। यहां की 30 प्रतिशत आबादी चीनी मूल के लोगों की है। साथ ही दक्षिण एशियाई और फ़िलीपींस के लोग भी हैं। मगर स्थानीय मूल के लोगों की आबादी यहां तीन प्रतिशत है। यह समुदाय ड्रग्स से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पैरासिटामोल दर्द प्रबंधन का एक आम तरीका है और इसका इस्तेमाल बुखार कम करने के लिए भी किया जाता है। इसे आमतौर पर बिना डॉक्टर के पर्चे के खरीदा जाता है। यह छोटे बच्चों द्वारा गलती से अधिक मात्रा में ली जाने वाली सबसे आम दवाओं में से एक है। पैरासिटामोल का दूसरा नाम एसिटामिनोफेन है (जिसे अक्सर इसके ब्रांड नाम पैनाडोल से जाना जाता है)। पैरासिटामोल की अधिकतम दैनिक खुराक और अधिक मात्रा के बीच बहुत कम अंतर होता है, जिससे लीवर को क्षति हो सकती है। पैरासिटामोल की बड़ी मात्रा बहुत खतरनाक होती है, लेकिन अक्सर इसका असर गोली लेने के 2 से 3 दिन बाद ही दिखाई देता है। ओवरडोज का कारण चाहे जो भी हो, ओवरडोज का शिकार हुए लोगों के साथ सावधानी और सम्मान के साथ व्यवहार करना महत्वपूर्ण है। आकस्मिक - यदि कोई व्यक्ति गलत पदार्थ या पदार्थों के संयोजन को गलत मात्रा में या गलत समय पर ले लेता है, बिना यह जाने कि इससे उसे नुकसान हो सकता है। इसमें वे लोग शामिल हो सकते हैं जो किसी खास वांछित प्रभाव (उदाहरण के लिए नशे में आने या अप्रिय भावनाओं को कम करने के लिए) को पाने के लिए दवा लेते हैं, लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं होता कि वे जो ले रहे हैं उसकी ताकत या तत्व क्या हैं। जानबूझकर - ऐसा व्यक्ति जो जानबूझकर किसी पदार्थ या पदार्थों के संयोजन की हानिकारक खुराक लेता है। यह शारीरिक, भावनात्मक या आंतरिक संकट का संकेत हो सकता है, और कुछ अतिरिक्त देखभाल और सहायता की आवश्यकता को उजागर करता है। किसी भी उम्र के लोग ओवरडोज़ ले सकते हैं। दवा से संबंधित नुकसान के लिए आपके जोखिम कारक तब बढ़ जाते हैं जब- एक ही समय में एक से अधिक पदार्थ लिये जाते हैं या शरीर को किसी विशेष पदार्थ को लेने की आदत नहीं होती।

ओवरडोज़ रोकने में मदद के कुछ तरीके-

- दवा सुरक्षा का अभ्यास करें। हमेशा दवा के लेबल को ध्यान से पढ़ें। डॉक्टर द्वारा लिखी दवाइयों को केवल निर्देशानुसार ही लें। सभी दवाइयों को उनकी मूल पैकेजिंग में ही रखें। यदि आपने पहले कभी ओवरडोज़ लिया हो तो अपने डॉक्टर या अन्य स्वास्थ्य पेशेवर को बताएं। जिन दवाओं की आपको अब जरूरत नहीं है, उन्हें अपने पास न रखें। उन्हें फार्मासिस्ट को वापस कर दें। सभी दवाइयों, शराब, नशीले पदार्थों और जहर को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा बच्चों की पहुंच से दूर रखें। एक ही समय में अलग-अलग पदार्थ (शराब सहित) लेते समय सावधान रहें। वे नकारात्मक रूप से परस्पर क्रिया कर सकते हैं और ओवरडोज का जोखिम बढ़ा सकते हैं। अपने डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछें कि क्या कोई ऐसी परस्पर क्रि या है जिसके बारे में आपको पता होना चाहिए।
- नशीली दवाओं के इस्तेमाल का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है, किसी भी दवा के इस्तेमाल में कुछ जोखिम होता है। अगर आप किसी पदार्थ का इस्तेमाल करना चुनते हैं, तो ओवरडोज़ से बचने के लिए यहाँ कुछ तरीके दिए गए हैं।
- कम से शुरू करें और धीरे-धीरे आगे बढ़ें- यदि आपने कुछ समय से किसी नशीली दवा का उपयोग नहीं किया है, तो आपकी सहनशीलता पहले की तुलना में बहुत कम होने की संभावना है - इसे धीरे-धीरे लें और कम मात्रा से शुरू करें।
- यदि किसी अज्ञात स्रोत या अज्ञात शुद्धता वाली औषधियों का उपयोग कर रहे हैं, तो पहले कम मात्रा में परीक्षण कराएं।
- यदि आपको किसी दवा से कोई अप्रत्याशित या विलंबित प्रतिक्रिया होती है, तो अधिक दवा न लें।
- सुनिश्चित करें कि आप उन लोगों के साथ सुरक्षित वातावरण में हैं जिन पर आप भरोसा करते हैं।
- अकेले इसका उपयोग करने से बचें - किसी को बताएं कि आप कहां हैं और क्या कर रहे हैं, या अपने साथ किसी मित्र को रखें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओजाने परत बचेगी तो हम बचेंगे

सोलह सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कही गईं। सवाल यह है कि आजोन परत की स्थिति को सुधारने के लिए जब तक हम अपना व्यवहार नहीं बदलेंगे तब तक स्थिति में परिवर्तन कैसे होगा। हालांकि अब कई स्थानों पर ओजोन परत की स्थिति सुधर रही है, लेकिन सिर्फ इतने से ही संतुष्ट होकर नहीं बैठा जा सकता। दरअसल ओजोन परत की स्थिति में उतार-चढ़ाव होता रहता है। समय-समय पर ओजोन परत को लेकर विभिन्न अध्ययन सामने आते रहते हैं। कभी-कभी इन अध्ययनों में विरोधाभासी बातें भी सामने आती हैं। यानी कभी ओजोन परत की स्थिति में सुधार का शोध प्रकाशित होता है तो कभी ओजोन परत की स्थिति बदतर होने का शोध प्रकाशित होता है। ऐसी विरोधाभासी शोध हमें भ्रमित करते हैं। दरअसल यह एक जटिल मामला है, इसलिए ओजोन परत से सम्बन्धित शोधों में अलग-अलग बातें सामने आती हैं। भिन्न-भिन्न जगहों पर ओजोन परत की स्थिति भिन्न-भिन्न हो सकती है। मूल बात यह है कि आज जिस तरह से पर्यावरण को हानि पहुंचायी जा रही है, वह ओजोन परत के लिए शुभ नहीं है। पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाकर ही हम ओजोन परत को बचा सकते हैं। कुछ समय पूर्व ओजोन परत पर काम करने वाले कोलोरेडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने उपग्रहों के जरिए किए गए अध्ययन में पाया था कि कुछ जगहों पर पिछले दस साल के दौरान ओजोन के स्तर में स्थिरता बनी रही है या फिर इसमें मामूली बढ़ोतरी हुई है। सम्पूर्ण विश्व में ओजोन परत पर हुए अन्य शोधों के द्वारा भी यह बात सामने आई कि 1997 के आस-पास ओजोन क्षय की दर कम हो गई थी। वैज्ञानिकों ने इस सम्बन्ध में 25 साल के आंकड़ों का अध्ययन किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि लगातार खराब होती जा रही ओजोन परत की स्थिति कुछ जगहों पर अब बेहतर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ जगहों पर ओजोन परत की स्थिति में सुधार 1987 की अंतरराष्ट्रीय मांट्रियल संधि के कारण ही संभव हुआ है। मांट्रियल संधि का उददेश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाली गैसों एवं तत्वों के उत्सर्जन पर रोक लगाना था। लेकिन इसके बाद कुछ जगहों से ओजोन परत की खराब हालत की खबरें भी आईं। वैज्ञानिकों ने सत्तर के दशक में यह खोजा था कि ओजोन परत पतली हो रही है। 1980 के आस-पास यह बहुत स्पष्ट हो गया था कि ओजोन परत का तेजी से क्षरण हो रहा है। इसके लिए विभिन्न मानवनिर्मित कारक जिम्मेदार थे। विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के द्वारा यह बात सामने आई कि क्लोरो फ्लोरो कार्बन नामक गैस ओजोन परत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रही है। यह गैस मुख्यतः वातानुकूलन एवं प्रशीतन (रेफ्रिजिरेशन) में काम आती है। इसके अतिरिक्त वातावरण में ऊंचाई पर उड़ने वाले जेट विमान भी क्लोरो फ्लोरो कार्बन छोड़ते हैं। इस गैस के द्वारा ओजोन परत को हानि पहुंचते देख वैज्ञानिक जगत चिन्तित था, इसलिए इस तरह की गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए 1987 में अंतरराष्ट्रीय मांट्रियल संधि को लागू किया गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ जगहों पर ओजोन परत की सुधरती स्थिति इसी मांट्रियल संधि का नतीजा है। दरअसल कुछ समय पूर्व जारी ओजोन परत की सुधरती स्थिति से सम्बन्धित रिपोर्ट के कारण कोई भ्रम पाल लेना तर्कसंगत नहीं होगा। अनेक जगहों पर ओजोन परत की हालत बहुत अच्छी नहीं है। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि मात्र क्लोरो फ्लोरो कार्बन ही ओजोन परत को नुकसान नहीं पहुंचाती है, बल्कि कुछ अन्य कारक भी ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार होते हैं। नासा तथा कुछ विश्वविद्यालयों का मानना है कि आज कुछ जगहों पर ओजोन परत की बेहतर स्थिति के लिए क्लोरो फ्लोरो कार्बन के उत्सर्जन में कमी ही मुख्य रूप से जिम्मेदार है। वातावरण में सभी जगह ओजोन की सान्द्रता बराबर नहीं रहती है। उष्णकटिबन्धी क्षेत्रों में ओजोन की सान्द्रता अधिक होती है जबकि ध्रुवीय क्षेत्रों में इसकी सान्द्रता कम होती है। वातावरण में ओजोन फोटो केमिकल प्रक्रिया के द्वारा लगातार बनती तथा नष्ट होती रहती है और इस तरह से इसका संतुलन बना रहता है, लेकिन मानवनिर्मित प्रदूषण के द्वारा वातावरण में ओजोन का सन्तुलन गड़बड़ा जाता है। यह माना जाता है कि वातावरण में ओजोन की हर एक प्रतिशत कमी पर विभिन्न रोग बढ़ने की संभावना दो प्रतिशत अधिक हो जाती है। यह विडम्बना ही है कि एक ओर तो विकसित देश स्वयं ज्यादा प्रदूषण फैला रहे हैं वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों को प्रदूषण न फैलाने का भाषण दे रहे हैं। इससे वातावरण को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश खोखले आदर्शवाद की परिधि से बाहर निकलकर वातावरण को बचाने का सामूहिक प्रयास करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

जब कोई झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

संकलित
प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

विश्व वंदनीय महाकवि संत तुलसीदास जी की जन्मस्थली आज भी उपेक्षित क्यों!

» जागरूक जनता @ रामचरितमानस के रचनाकार पूज्य पाद गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म स्थली धर्मपत्नी देवी रतनावली की तपस्थली, एवं साधु संतो की ध्यान स्थली, भगवान कृष्ण प्रिया यमुना का मनोहर घाट, बुंदेलखंड के पूर्व में बांदा जिले में ऐतिहासिक बंदरगाह से जाना जाने वाला राजापुर आज भी विकास से अछूता क्यों रहा। हर 5 वर्ष बाद चुनाव की बयार आती है और राजापुर के जनता समग्र विकास को लेकर अंदर अंदर खुश होती है लेकिन अंत में ढाक के तीन पात ही नजर आते हैं। राजापुर में ना तो रोडवेज बस स्टैंड है ना यात्री प्रतीक्षालय हैं गोस्वामी जी के समय से ही यह व्यापारिक क्षेत्र रहा है तहसील तो बन चुका है लेकिन विकास की स्थिति जीरो है राजापुर की हाट बाजारी करने 100 गांव के लोग आते हैं जिसमें बुजुर्ग वयस्क महिलाएं किशोरियां सभी लोग अपनी जरूरत का सामान लेने आते हैं पर आज तक यहां कोई सुलभ कांप्लेक्स नहीं है रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा सभी सुविधाओं से वंचित हैं। अस्पताल होने के बावजूद वह संसाधन विहीन व्यवस्था के कारण मरीज को प्रयागराज, जानकी कुंड, सतना रेफर करना पड़ता है। मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित है गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म स्थली राजापुर चित्रकूट। मेरा यूपी की सत्ता पर आसीन योगी आदित्यनाथ जी से एवं केंद्र पर बैठे आदरणीय मोदी जी से निवेदन है कि एक बार वह राजापुर आकर अपना ध्यान आकृष्ट करें और यहां के समग्र विकास की और ध्यान दें, गोस्वामी तुलसीदासजी की जन्म भूमि राजापुर चित्रकूट हमारी ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर है इसका सौंदर्यीकरण करा कर इसको मान चित्र में पर्यटन स्थल का स्थान दें,विश्व वंदनीय महाकवि तुलसीदास जी को विश्व पटल पर लाकर उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करें एवं श्री रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ का दर्जा प्रदान करें। गोस्वामी तुलसीदास जी उस समय धर्म , राष्ट्र एवं संस्कृति के रक्षक बने जिस समय हिंदूओं की अस्मिता और संस्कृति छिन्न-भिन्न हो त्राहिमाम -त्राहिमाम कर रही थी।

साहित्यकार सरिता पान्डे, तुलसी तीर्थ राजापुर चित्रकूट (उ.प्र)

करंट अफेयर

तालिबान ने अफगानिस्तान में पोलियो टीकाकरण रोका

तालिबान ने अफगानिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान ही केवल दो ऐसे देश हैं, जहां पोलियो पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सितंबर में टीकाकरण अभियान शुरू होने से ठीक पहले इसे रोकने की खबर संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को दी गई है और इसके पीछे किसी कारण भी उल्लेख नहीं किया गया है। तालिबान सरकार की तरफ से इस बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि उन्हें घर-घर जाकर टीकाकरण करने के बजाय मस्जिदों जैसे स्थानों पर टीकाकरण करने की चर्चाओं की जानकारी मिली है। डब्ल्यूएचओ ने इस वर्ष अफगानिस्तान में पोलियो के 18 मामलों की पुष्टि की है। पाकिस्तान में भी पोलियो के छह मामले सामने आने की बात कही जा रही है। जिसके बाद वहां टीकाकरण अभियान शुरू किया गया पर स्थानीय लोगों के काफी विरोध के बाद उस अभियान को संयुक्त राष्ट्र को रोकना पड़ा। आज विश्व के अधिकांश देशों से पोलियो का सफाया हो चुका है।

ऑफ बीट

पृथ्वी के पास शनि की तरह कभी कोई छल्ला रहा होगा

लगभग 46.6 करोड़ वर्ष पहले बना एक ऐसा छल्ला हमारे ग्रह के अतीत की कई पहेलियों को सुलझा सकता है। लगभग 46.6 करोड़ वर्ष पहले बहुत सारे उल्कापिंड पृथ्वी से टकराने लगे थे। हम यह जानते हैं क्योंकि भूवैज्ञानिक रूप से संक्षिप्त अवधि में इसके असर के कारण पृथ्वी पर कई गड्ढे बने। इसी अवधि में हमें यूरोप, रूस और चीन में चूना पत्थर के भंडार भी मिले जिनमें एक प्रकार के उल्कापिंड का बहुत ज्यादा मलबा था। इन तलछटी चट्टानों में उल्कापिंड के मलबे का संकेत मिलता है कि वे आज गिरने वाले उल्कापिंडों की तुलना में बहुत कम समय के लिए अंतरिक्ष विकिरणों के संपर्क में थे। इस दौरान कई सुनामी भी आईं, जैसा कि अन्य असामान्य अव्यवस्थित तलछटी चट्टानों में देखा जा सकता है। हमारा मानना है कि ये सभी विशेषताएं एक-दूसरे से संबंधित हैं लेकिन उन्हें आपस में क्या जोड़ता है? हम उल्कापिंड के असर के कारण बने 21 गड्ढों के बारे में जानते हैं। हम देखना चाहते थे कि क्या उनके स्थान में कोई गौर करने वाली बात है। अतीत में पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के मॉडल का उपयोग करके हमने यह पता लगाया कि जब ये सभी गड्ढे पहली बार बने थे तो वे कहां थे। हमने पाया कि सभी गड्ढे उन महाद्वीपों पर हैं जो इस अवधि में भूमध्य रेखा के करीब थे।

ट्रेंड

प्रभावशाली विकास लाए

हमारे तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन सभी के लिए प्रभावशाली विकास लेकर आए हैं। आज, विकसित भारत के दृष्टिकोण को आकार देने वाली कई परियोजनाएं अहमदाबाद से शुरू की जा रही है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

समान मानवाधिकार नहीं

हिंदू मंदिर सरकार के अधीन हैं और कानूनी नियंत्रण चर्च या मस्जिद के समान अधिकार नहीं हैं। वक्फ बोर्ड सरकार से जो चाहे जमीन व कानूनी मंजूरी ले सकता है। जब तक इसमें बदलाव नहीं होता तब तक हिंदुओं के पास समान मानवाधिकार नहीं हैं।

-डॉ डेविड फ्रॉली, अमेरिकी हिंदू लेखक

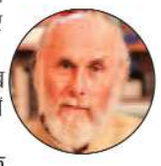

सिर शर्म से झुक गया

एक शर्मनाक वीडियो सामने आया, जिसमें देश के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति पुतिन को नरेंद्र मोदी के यूक्रेन जाने को लेकर सफाई दे रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है। इससे देश के 144 करोड़ लोगों का सिर शर्म से झुक गया।

-संजय सिंह, आप नेता

धैर्य शांत शक्ति

परिवार के साथ धैर्य ही प्रेम है। दूसरों के प्रति धैर्य ही सम्मान है. स्वयं के प्रति धैर्य रखने से आत्मविश्वास बढ़ता है। ईश्वर के प्रति धैर्य ही विश्वास है। धैर्य वह शांत शक्ति है जो एक समय में एक पल में हमारी यात्रा को आकार देती है।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 18/09/2024

सूर्योदय : 06:17 **सूर्यास्त :** 18:23 **चन्द्रोदय :** 18:44 **चन्द्रास्त :** 06:11 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** मीन **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** पूर्णिमा, 08:04 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शरद **चन्द्रमास भाद्रपद :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **भाद्रपद :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 10:52 तक
योग : गांदा, 23:25 तक
प्रथम करण : बावा, 08:04 तक
द्वितिय करण : बालवा, 18:11 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:34 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:57 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:17 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:22 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:22 पी एम से
अमृत काल	3:51 एएम, सितम्बर 19 से
निशिता मुहूर्त	11:52 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभी चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:16 - 07:47	उद्वेग	: 18:23 - 19:52
अमृत	: 07:47 - 09:18	शुभ	: 19:52 - 21:21
काल काल वेला	: 09:18 - 10:49	अमृत	: 21:21 - 22:50
शुभ	: 10:49 - 12:19	चर	: 22:50 - 00:20
रोग वार वेला	: 12:19 - 13:50	रोग	: 00:20 - 01:49
उद्वेग	: 13:50 - 15:21	काल	: 01:49 - 03:18
चर	: 15:21 - 16:52	लाभ	: 03:18 - 04:47
लाभ	: 16:52 - 18:23	उद्वेग	: 04:47 - 06:17

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पूर्णिमा

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, शुक्ल, पूर्णिमा, 2081 बुधवार, 18 सितंबर - 23 सितंबर, 2024

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग ने की समीक्षा

आज के लिए नहीं, 20-30 साल की सोच के साथ हो कार्य-खर्रा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। झाबर सिंह खर्रा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग ने राजस्थान में मानसून की भारी बारिश के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को दुरुस्त करवाने हेतु सचिवालय में आयोजित बैठक में आमजन से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे के विभिन्न लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में सभी सम्बंधित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त सड़कों एवं सीवेरज लाइनों की त्वरित मरम्मत पर हो विशेष ध्यान

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रदेश में इस बार मानसून जमकर बरसा है। इस दौरान कई जगह सड़कों के खराब होने की समस्या भी सामने आई है। इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाने के साथ ही निष्ठापूर्ण मंतव्य से सभी क्षतिग्रस्त सड़कों एवं सीवेरज लाइनों की त्वरित मरम्मत पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए। खर्रा ने सभी सम्बंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा और अधिकारियों को दिशा-निर्देश देने के साथ ही सभी से सुझाव भी लिए।

सड़क मरम्मत और सीवरेज सफाई कार्य बेहतरीन प्लानिंग के साथ करें

खर्रा ने कहा कि सर्वप्रथम शहरों की मुख्य सड़कों का कार्य पूरा किया जाये तत्पश्चात कॉलोनियों की अंदर की सड़को का निर्माण व मरम्मत कार्य करवाया जाये। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के दौरान सीवरेज और ड्रेनेज लाइनों का विशेषकर ख्याल रखा जाये। जिन जगहों पर सीवरेज-ड्रेनेज लाइनों का निर्माण कार्य चल रहा है वहां पहले इसे पूर्ण कर बाद में सड़क का काम शुरू हो ताकि संसाधनों एवं आमजान के कर का सही उपयोग हो पाए। इसके साथ ही सीवरेज सफाई के बाद मलबे को तुरंत उठा लिया जाए, क्योंकि ये बाद में नालों में ही चला जाता है। खर्रा ने सीवरेज सफाई की पहले और बाद की वीडियोग्राफी करवाने के भी निर्देश दिए।

राइजिंग राजस्थान के आगामी इन्वेस्टमेंट समिट व दीपावली पूर्व पूर्ण हो सभी कार्य

झाबर सिंह खर्रा ने अधिकारीगण को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के आगामी इन्वेस्टमेंट समिट को ध्यान में रखते हुए दीपावली से पूर्व ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव के सभी कार्यों सहित स्वच्छता-सम्बन्धी कार्य समयबद्धता व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे हों।

2018 से 2023 के काम में की गई खामियां सुधारें

खर्रा ने कहा कि वर्ष 2018 से 2023 तक किए गए काम में कई गलतियां रही हैं। श्री खर्रा ने इन सभी कमियों को जल्द से जल्द सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कमी या गलती के कारण आमजन को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसका विभाग विशेष तौर पर ध्यान रखें।

बजट घोषणाएं गारंटी पीरियड में पूरी की जाएं

खर्रा ने कहा कि बजट घोषणाओं वाले गारंटी पीरियड कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। इसे तय करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि PWD, PHED, ऊर्जा स्वायत्त शासन विभाग और जेडीए आपस में सामंजस्य बनाकर काम करें। ताकि आमजन की हितार्थ योजनाओं को जल्द से जल्द और गुणवत्तापूर्ण कार्यों के साथ धरातल पर उतरा जा सके।

इस बैठक में वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव, नगरिय विकास विभाग, राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, आनंदी, आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, डा रश्मि शर्मा, आयुक्त, आवासन मंडल, नगर निगम हेरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराणा, नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रुकमणी रीआर ,अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी व पीएचडी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ भी मौजूद रहे।

आमजन की तकलीफ व भविष्य को ध्यान में रखते हुए पूरी करें कमी

झाबर सिंह खर्रा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों की गुणवत्ता जांचने हेतु कई अभियंताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिनके द्वारा इस कार्य को गंभीरतापूर्ण नहीं लिया जा रहा है। ऐसे सभी अधिकारीगण सावधानी एवं सजगतापूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करने के साथ ही जलभराव की समस्या पर भी विशेष ध्यान दें। खर्रा ने आवासन मंडल और प्रताप नगर की आईएएस कॉलोनी के साथ ही सभी कॉलोनियों के औचक निरीक्षण और कमी एवं गुणवत्ता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिशा-निर्देश प्रदान किये। खर्रा ने कहा कि आमजन द्वारा दिए जा रहे टैक्स के पैसों का व्यर्थ उपयोग न कर के उसे उन्ही के हित में सही और बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जाए।

राजस्थान साइकाइट्रिक समिति का 39वां वार्षिक अधिवेशन

मनोचिकित्सक समाज व युवा पीढ़ी के सुधारक है-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान साइकाइट्रिक समिति का 39वां वार्षिक अधिवेशन बीते दिनों होटल क्लार्क आमेर के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने किया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर करण सिंह यादव तथा वर्ष 2025 के लिए निर्वाचित अखिल भारतीय अध्यक्ष चंडीगढ़ की डॉक्टर सविता मल्होत्रा मौजूद रहे। मंजू शर्मा ने युवाओं में बढ़ते अवसाद व नशे की लत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनोचिकित्सक समाज व युवा पीढ़ी के सुधारक है तथा इस तरीके की कॉन्फ्रेंस नए युवा मनोचिकित्सकों के लिए काफी आवश्यक है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉक्टर मनस्वी गौतम ने बताया कि इस अधिवेशन में राजस्थान के 250 से अधिक मनोचिकित्सकों ने भाग लिया। अधिवेशन में मुख्य रूप से मनोचिकित्सा में कृत्रिम बुद्धि के उपयोग मनोचिकित्सक में कानूनी प्रक्रिया विषयों पर व्याख्यान व शोध प्रस्तुत प्रस्तुत किए गए। राजस्थान साइकाइट्रिक समिति के अध्यक्ष डॉ अखिलेश जैन ने बताया कि कांफ्रेंस के दौरान 12 अवार्ड पेपर, वर्कशॉप, 55 शोध पत्र एवं 30 शोध पोस्टर्स तथा पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया।

एस्टोनिया के प्रोफेसर एडुआर्ड मारेन कृत्रिम बुद्धि की तकनीक तथा सामान्य चिकित्सा पर प्रभाव विषय पर, इब्रहास दिल्ली के निदेशक डॉक्टर निमेष देसाई ने मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोचिकित्सा में इंश्योरेंस कंपनियों की भूमिका पर परी चर्चा की दिल्ली से डॉक्टर विशाल छाबरा, मैसूर से डॉक्टर रवनीश विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

बागडे ने राजभवन में किया पौधारोपण, पीएम मोदी के जन्म दिन पर दी बधाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है।

बागडे ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र में निरंतर सर्वांगीण विकास के कार्य हुए हैं। उन्होंने मोदी को स्वप्न द्रष्टा प्रधानमंत्री बताते हुए देश में विकास के लिए उनकी पहल पर हुए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि "विकसित भारत" का उनका संकल्प भारत को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने मोदी के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

इससे पहले बागडे ने राजभवन में प्रधानमंत्री की पहल पर देशभर में पौधारोपण के लिए चलाए जा रहे अभियान "एक पेड़ मां के नाम" के अंतर्गत राजभवन के औषधीय उद्यान में पौधारोपण किया।

श्री गुरू पुष्कर जैन साधना केंद्र संस्थान के नए भवन और भोजन कक्ष के शिलान्यास

समाज के कल्याण में भामाशाहों की बड़ी भूमिका, सामाजिक मंच पर भामाशाहों को मिले सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने पाली में श्री गुरू पुष्कर जैन साधना केंद्र संस्थान के नए भवन और भोजन कक्ष के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में भामाशाह परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पंजाब राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए किया गया दान कभी व्यर्थ नहीं जाता। धन कमाने से कोई इंसान महान नहीं बनता, बल्कि जो व्यक्ति सामाजिक सरोकार में धन लगाता है वह महान कहलाता है। उस इंसान के जाने के बाद भी लोग उनके किए गए कार्यों के लिए उसे याद करते है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संस्थान के नए भवन और भोजन कक्ष का शिलान्यास में सहयोग करने वाले भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि पाली परिवार द्वारा शिलान्यास कार्यक्रम में जो मान-सम्मान दिया गया, उसके लिए दिल से आभार एवं धन्यवाद। समाज के कल्याण में भामाशाहों की बड़ी भूमिका है। ऐसे में समाजिक मंच पर भामाशाहों का सम्मान भी अवश्य होना चाहिए। राठौड़ ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया को राजनीति के गुरू बताते हुए कहा कि आज के राजनेताओं को गुलाबचंद कटारिया से राजनीति सीखनी चाहिए। कटारिया जी का व्यक्तित्व किसी साधु से कम नहीं है। इनका आदर्श जीवन और आदर्श व्यवहार युवा पीढी के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, अशोक कुमार कवाड़, केवलचंद कवाड़, हुकमीचंद मेहता भी मंच पर मौजूद रहे। इनका आयोजकों की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सुकनराज संचेती, मांगीलाल गांधी, नेमीचंद चौपड़ा, एसपी चौपड़ा सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

भाजपा का सदस्यता 'घर-घर जनसंपर्क महाअभियान' 19 तक

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** भाजपा सदस्यता अभियान के तहत 'घर-घर जनसंपर्क महाअभियान' 19 सितंबर तक प्रदेश की सभी 200 विधानसभाओं में एक साथ चलाया जाएगा। भाजपा सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित प्रदेश से लेकर जिला पदाधिकारियों द्वारा बूथ पर जाकर घर-घर जनसंपर्क किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सांगानेर विस में बूथ पर जाकर जनसंपर्क करेंगे। इसके लिए भाजपा के सभी पदाधिकारियों के प्रवास कार्यक्रम तय कर दिए गए है। अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि सदस्यता अभियान महाजनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा वरिष्ठ नेताओं द्वारा विभिन्न बूथों पर संपर्क कर आमजन को सदस्यता ग्रहण करवाएंगे।

हिन्दी दिवस पर हिन्दी प्रश्नोत्तरी आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी का आयोजन कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर किया गया। सूत्रधार की भूमिका विद्यानिधि त्रिवेदी ने की। छात्रों को विद्यालय के हाउस ऋग्वेद, यजुर्वेद, अर्थवेद, सामवेद के अनुसार वर्गीकृत किया गया। इस अवसर विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच ने कहा कि 'हिन्दी हमारी पहचान है, हमारी शान है, हमें अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है। यह हमारे सोचने की क्षमता, रचनात्मकता और हमारे देष की आत्मा की अभिव्यक्ति भी है। हिन्दी दिवस पर विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा, उपप्रधानाचार्य मनन्त शर्मा, संयोजक डॉ. नाहिद खान एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा का विधिवत किया विसर्जन

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** यूनिक एम्पोरिया सोसाइटी, महल रोड, जगतपुरा, जयपुर में गणेश विसर्जन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर गणेश वंदना और पूजा की गई, जिसके बाद विधिवत विसर्जन हुआ। सोसाइटी के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसाद वितरण हुआ। यह आयोजन सोसाइटी की एकता और सौहार्द का प्रतीक था। सभी रहवासियों के सहयोग से यह समारोह सफल हुआ।

ठाकुर जी ने किया नगर भ्रमण

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** डोला एकादशी के उपलक्ष में महेश नगर में श्री गोपाल धाम राम मंदिर से बाल गोपालजी को नगर भ्रमण कराया गया। इस मौके पर भ्रमण के दौरान अनेक स्थानों पर ठाकुर जी की आरती की गई। भ्रमण में पंडित राजू लालजी बागड़ा के सानिध्य में पंडित सुशील, अनिल मिश्र गंगापुर वाले और अन्य सभी महिलाएं-पुरुषों ने आरती ब पूजा करके कुशलता की कामना की। अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

सेवानिवृत्ति पर शर्मा का किया सम्मान

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ इंटरनल ऑडिटर राजेश शर्मा के सेवा निवृत्ति कार्यक्रम रॉयल ललित होटल वैशाली नगर में जयहिंद शुभकामना ग्रुप संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ एवं लोक चंद हरिरामानी ने स्मृति चिन्ह भेट कर उन के कर्म क्षेत्र से 36 वर्ष 3 माह की प्रसंसनीय संतोष जनक सेवा पूर्ण कर धर्म छेत्र मे प्रवेश पर शुभकामनाओ के साथ सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम मे बैंक के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारियों ने उपहारो के साथ शुभकामनायें देकर सह भोज का आनंद लिया।

'तलाश जारी है' ने किया मंत्रमुग्ध

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** जयपुर महावीर नगर महिला मंडल द्वारा 10 सितंबर को दशलक्षण पर्व के उपलक्ष्य में महावीर नगर जैन मंदिर में महिला मंडल की नार्थ ईकाई द्वारा एक बहुत ही उत्कृष्ट समाजिक समस्या पर आधारित नाटक तलाश जारी है का आयोजन किया गया। नाटक की डायरेक्टर शिखा जैन के सानिध्य में इन कलाकारों के द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में निकिता, पूर्णिमा, बरखा, निर्मला, मीना, दीपिका, एकता, गरिमा, विनिता, शिखा, अर्पिता, पिंकी, कोमल, आशा, आरती सहयोगी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरीश रेणु धाडूका एवम राजेन्द राजमती पांड्या, सुलोचना सेठी थे। सोलंकी कमेटी के अध्यक्ष अनिल जैन एवं मंत्री सुनील भजने शानदार प्रस्तुति के लिए महिला मंडल की अध्यक्ष सुशील मोदी का एवं मंत्री रीना पांडे का आभार व्यक्त किया ।

मौन मनुष्य की सर्वप्रियता का अचूक साधन है-जिनेन्द्रमुनि मसा

» **जागरूक जनता @ गोगुन्दा।** श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावकसंघ महावीर गौशाला उमरणा में जैन संत जिनेन्द्रमुनि मसा ने कहा कि भारतीय मनुष्यों ने हमारी वाणी को वाक शक्ति बताया है। कहा जाता है जब कोई बोलता है तो वह मनुष्य और जब मौन हो जाता है तो देवता है, ज्ञानी है। यानी वाणी मनुष्य की भाषा है और मौन ज्ञानियों की भाषा है। वाणी में असीम शक्ति है परंतु मौन में उससे भी प्रचंड शक्ति है। मनुष्य अपने अंतःकरण की शक्ति प्राणों की शक्ति को बोलकर बिखेर देता है। किंतु साधक मौन रहकर उस शक्ति को संवर्धन में उपयोग करता है।आत्म शक्ति को संवर्धन में उपयोग करते हैं और मौन द्वारा अपने भावों को अत्यधिक प्रभावकारी बना देता है । जैन संत ने कहा मूल व्यक्तित्व को अधिक प्रभावशाली और लोकप्रिय बनता है। जो जितना कम बोलता है, उसकी वाणी उतनी ही प्रभावशाली होती है ।

जब आप करें अपने कानों की क्लीनिंग

कानों की सफाई के लिए आप अकसर मैल निकालते होंगे। लेकिन कुछ लोग ऐसा करने में बहुत लापरवाही करते हैं। इससे कानों को अस्थायी या स्थायी रूप से नुकसान हो सकता है या इंफेक्शन हो सकता है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए पूरी सावधानी बरतें।

प्रिकॉशन

आराध्या अपने ग्यारह साल के बेटे शैलेष के कानों से खून निकलता देख घबरा गई। पूछने पर पता चला कि वह इयरबड्स से कानों की सफाई करने की कोशिश कर रहा था, तो असावधानीवश उसे कुछ ज्यादा ही दबाव से भीतर घुमा दिया। इससे उसके कान का भीतरी कोमल भाग डैमेज हो गया।

हममें से अधिकतर लोग कानों की सफाई या कानों को खुजाने के लिए लोहे या तांबे की कान कुचरनी, माचिस की तीली या कॉटन स्वैब का प्रयोग करने के अभ्यस्त होते हैं। लेकिन जरा सी असावधानी से आपको इसके घातक परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। इसलिए ऐसा कुछ भी ना करें और कानों की सफाई सावधानी के साथ करें।

इयर वैक्स है फायदेमंद: डॉक्टर्स का कहना है कि सबसे पहले आप यह समझ लें कि इयर वैक्स जिसे आप मैल कहते हैं, आपके कानों की दुश्मन नहीं बल्कि दोस्त है। इसे जबरन निकालना कतई आवश्यक नहीं है। यह हमारे कानों में मौजूद डेड सेल्स, पसीने, स्किन सेल, डस्ट आदि के मिश्रण से बनती है। यह वैक्स हमारे कानों के भीतरी हिस्से का सुरक्षा घेरा देती है, जिसमें बाहरी फंगस, बैक्टीरिया, डस्ट आदि बाहरी घेरे में ही फंस जाते हैं।

खुद ही निकल जाती है: हमारे कानों में जब इयर वैक्स की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो यह हमारा मुंह हिलने या जबड़े ऊपर-नीचे होने पर खुद ही सतह पर उभर कर आसानी से निकल जाती है। वहीं जब हम इसे कॉटन स्वैब से निकालने की कोशिश करते हैं तो यह बाहर आने की बजाय कान के भीतरी हिस्से में घुस जाता है और हार्मफुल साबित हो सकता है।

हार्मफुल है कॉटन स्वैब: आपको कॉटन स्वैब देखने में भले ही कोमल लगती हो लेकिन यह आपके कानों की बेहद कोमल दीवारों को छील सकती है। इससे वैक्स और ज्यादा बनने लगती है, जिससे इंफेक्शन, खुजली, दर्द और कानों में असहजता का अनुभव हो सकता है। स्थिति ज्यादा जटिल हो जाए और यह कान में भर जाए तो सुनने में भी दिक्कत हो सकती है। विशेष रूप से एक्जिमा या सोरायसिस जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को ज्यादा तकलीफ हो सकती है। इसलिए आपको कभी लगे कि वैक्स ज्यादा जमा हो गया है तो किसी ईएनटी विशेषज्ञ से मिलकर कानों की सफाई करवा लें।

ऐसे करें कानों की सफाई : विशेषज्ञ कहते हैं कि आपको समझ लेना चाहिए कि हमारे कानों में नर्व एंडिंग्स होती हैं। जाहिर है ये काफी संवेदनशील और नाजुक होती हैं। इसलिए कानों की सफाई के लिए अत्यधिक सावधानी बरतनी जरूरी है। ऐसा ना करने पर ये नर्व्स डैमेज हो सकती हैं।

कपड़े से करें क्लीन: कानों के बाहरी हिस्से यानी इयर पिन्ना को साफ करने के लिए एक साफ-सुथरा भीगा हुआ कपड़ा लें और इसे हल्के हाथों से पोंछ दें। आसानी से जहां तक आपकी अंगुली घुसे, वहीं तक सफाई करें। ज्यादा भीतर तक कपड़ा घुसाने की कोशिश ना करें।

इयर ड्रॉप्स हैं कारगर: कानों की सफाई के लिए इयर ड्रॉप्स बेहतरीन और सुरक्षित उपाय हैं। बाजार में आपको ऐसे कई ड्रॉप्स मिल जाएंगे, जो सूखे, पपड़ीदार इयर वैक्स को नम करके निकलने में मददगार साबित होते हैं। इनके प्रयोग से कान का मैल फूल कर बाहर आ जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि कान में कोई भी इयर ड्रॉप अपनी मर्जी से लेकर ना डालें। हमेशा ईएनटी विशेषज्ञ से कंसल्ट करके ही कोई इयर ड्रॉप कानों में डालें। *

प्रस्तुति:अंजू जैन

हेल्थ एडवाइस

इन दिनों मौसम में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। कभी ठंड, कभी उमस भरी गर्मी। इससे वातावरण में असंख्य बैक्टीरिया और वायरस एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे में जीवनशैली या खान-पान में जरा-सी लापरवाही बरतने से गले का इंफेक्शन हो जाता है। हालांकि इससे बचाव संभव है लेकिन यदि संक्रमण हो जाए तो घरेलू उपचार भी संभव है।

तेजी से फैल रहा है गले का संक्रमण
जान लें उपचार-बचाव के उपाय

बारिश का मौसम जब खत्म हो रहा होता है, जब बारिश काफी हो चुकी होती है, मौसम थोडा ठंडा और उमस से भरा होता है, तब वातावरण में मौजूद नमी या आर्द्रता के कारण बैक्टीरिया और वायरस काफी बढ़ जाते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में सामान्य फ्लू, पेट खराब होने और गले के इंफेक्शन के मामले बहुत ज्यादा दिखते हैं। वैसे तो गले के इस संक्रमण और दर्द से तात्कालिक राहत पाने के लिए हर चिकित्सा पद्धति में कई दवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन इस मामले में कई घरेलू उपायों और नुस्खों को काफी कारगर पाया गया है। अगर आप भी गले के संक्रमण से परेशान हैं या आपके घर में इन दिनों कोई ना कोई गले के इंफेक्शन से पीड़ित है, तो यहां बताई जा रही बातें आपके लिए उपयोगी हो सकती हैं।

ना बरतें लापरवाही

इस मौसम में होने वाले इंफेक्शन को गंभीरता से लेना चाहिए, जरा भी लापरवाही ना बरतें। अगर 10 दिनों से ज्यादा समय तक गले में खराश, दर्द और चुभन बनी हुई है, तो यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है, इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। हम यहां आपको बता रहे हैं कि इस मौसम में गले में होने वाले इंफेक्शन से देसी तरीके से कैसे निपटा जा सकता है? इसके लिए सबसे पहले तो यह जानना जरूरी है कि किन वजहों से गले में यह परेशानी होती है और यह भी कि इससे छुटकारा पाने के लिए क्या किया जाए?

ऐसे होता है गले का इंफेक्शन

चूंकि हमारे शरीर के एंट्री पॉइंट नाक और मुंह के जरिए गला होता है, इसलिए प्रदूषित वातावरण में सांस लेते समय वायरस और बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। वैसे तो ये शरीर में प्रवेश करके तुरंत कोई हलचल नहीं मचाते बल्कि चुपचाप पड़े रहते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम में उमस और हल्की ठंडक घुलती है तो शरीर में निष्क्रिय पड़े ये बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं। आयुर्वेद में इन मौसम में गले में संक्रमण का मुख्य कारण वात, पित्त और कफ का असंतुलित होना बताया गया है। आयुर्वेद के मुताबिक जब शरीर में कफ और वात दूषित हो जाते हैं, तब गले में संक्रमण की परेशानी होती है। गले में इंफेक्शन के लक्षण जितनी जल्दी पता चल जाएं, उतनी जल्दी इसका इलाज किया जाना चाहिए।

आजमाएं ये कारगर उपाय

गले में जैसे ही कुछ कांटे जैसा चुभे, थूक निगलने में दर्द हो तो तुरंत कुछ उपाय आजमाएं। ये उपाय कई आयुर्वेदिक विशेषज्ञों की सलाह पर आधारित है।

- गर्म चीजों का सेवन करें क्योंकि बैक्टीरिया ज्यादा गर्माहट सहन नहीं कर पाते हैं।
- गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे शुरू कर दें, इससे खराश और दर्द से राहत मिलती है।
- गार्गल करते समय कुछ-कुछ देर तक नमक मिले गुनगुने पानी को मुंह में रखें, लेकिन 5 से 10 सेकेंड ही इससे ज्यादा नहीं।
- गार्गल के पूरे प्रोसेस को कम से कम तीन से चार बार दोहराएं।
- गार्गल करने के बाद सीधे खुली हवा या एसी रूम में ना जाएं और गले को कपड़े से अच्छी तरह ढंक कर रखें।
- अदरक वाली गर्म चाय पिएं, इससे भी राहत मिलती है। दरअसल, अदरक में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने की क्षमता होती है।
- गर्म पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका डालकर पिएं। इसका अम्लीय गुण गले के बैक्टीरिया को खत्म करता है।
- रात में गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पावडर डालकर पीने से दर्द, सूजन और इंफेक्शन से छुटकारा मिलता है।
- तुलसी का काढ़ा बनाकर पीएं, क्योंकि तुलसी में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक गुण पाए जाते हैं, इससे गले का इंफेक्शन रुकता है।

अगर आप गले में इंफेक्शन के एहसास होते ही ये उपाय करते हैं तो 99 फीसदी उम्मीद है कि आप अपने संक्रमित गले को जल्द से जल्द सही कर लेंगे। लेकिन यदि ज्यादा दिन हो गए हों और इंफेक्शन सही होने का नाम ना ले रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें।

संक्रमण से बचाव के उपाय

कहते हैं इलाज से बचाव ज्यादा बेहतर होता है। इसलिए इस मौसम में गले में इंफेक्शन ना हो, इसके लिए कुछ सावधानियां जरूर बरतें।

- इस बदलते मौसम में चूंकि वातावरण में लगातार बारिश के कारण ठंडक हो जाती है, इसलिए गर्मी लगने या बेचैनी होने के बाद भी एसी वाले कमरे में रात भर ना सोएं।
- इस मौसम में पंखे के ठीक नीचे या कूलर के पंखे के सामने लेटने से भी बचें।
- इस मौसम में अगर आपको हल्की ठंडक महसूस हो रही हो तो गर्म कपड़े पहनने में कोई बुराई नहीं है।
- खान-पान में भी सावधानी बरतें। अपनी रोजाना की डाइट में खट्टे फलों को शामिल करें, जो विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इसके कारण जुकाम होने या गले में इंफेक्शन होने की आशंका कम रहती है।
- हर मौसम की तरह इस मौसम में भी अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने के लिए नियमित तौर पर मौसमी फल और हरी सब्जियों से युक्त डाइट लें।
- इस मौसम में ठंडा पानी खासकर फ्रिज में रखा ठंडा पानी पीने से बचें। इस मौसम में फ्रिज में रखी ठंडी डिशेज को भी खाने से बचना चाहिए।
- रोज रात में सोने के 2 से 3 घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। भले आपके इर्द-गिर्द कोई बीमार या इंफेक्शन से पीड़ित ना हो, लेकिन खाना खाने से पहले साबुन से हाथ जरूर धोएं।
- इस मौसम में बाजार में मिलने वाली ऑयली और मसालेदार चीजें खाने से बचें।
- गर्म के तुरंत बाद ठंडी और ठंडी के तुरंत बाद गर्म चीजों का सेवन तो भूलकर भी ना करें।
- गले के इंफेक्शन से बचने के लिए स्मोकिंग और अल्कोहल से भी दूर रहना चाहिए।

एनआईए का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा आमजन के स्वास्थ्य के लिये ऋतु शोधन कार्यक्रम में 17 सितम्बर से 15 नवम्बर 2024 तक निःशुल्क विरेचन चिकित्सा कर्म शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने किया।

कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा मौसम के बदलने के दौरान शरीर मे वात, पित्त, कफ के असंतुलन के कारण कई रोग होते है। बदलते मौसम के कारण होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा पूरे साल मौसम परिवर्तन होने से पहले ऋतु शोधन कार्यक्रम में विशेष निशुल्क शिविर का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शरद ऋतु में पित्त बढ़ने के कारण पेट संबंधी विभिन रोगों में लाभ के लिये आयुर्वेदिक पद्धति से चिकित्सा की जाती है, जिससे आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाया जा सके। कार्यक्रम में कुलपति द्वारा उपस्थित लोगों को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के अवसर पर रोगियों की सुरक्षा को व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानने की शपथ दिलाई।

पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गोपेश मंगल ने शिविर की जानकारी देते हुए बताया की राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग द्वारा साल में मौसम बदलने से पूर्व ऋतु अनुसार निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। जल्दी ही ऋतु परिवर्तन के कारण सर्दी के समय शरीर मे पित्त बढ़ने से पेट संबंधी रोग बढ़ जाते हैं। विरेचन चिकित्सा पद्धति पित्त प्रधान रोगों की प्रमुख चिकित्सा विधि है। इसमें विशिष्ट औषधियों के माध्यम से ईलाज किया जाता है।

भविष्य में पित्त से होने वाले मुख्य रोगों की रोकथाम में सहायक होने के साथ कब्ज,पाचन समस्या, एसिडिटी, त्वचा रोग, रक्त विकार और लीवर, तिल्ली के रोग, लकवा, ब्रोन्कियल अस्थमा आदि रोगों में लाभकारी है। आमजन को निःशुल्क चिकित्सा देने के लिये शरद ऋतु में पंचकर्म विभाग द्वारा 17 सितम्बर से 15 नवम्बर 2024 तक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग में 2 माह तक निःशुल्क विरेचन चिकित्सा कर्म शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ गुलाब पमनानी, डॉ सुदीप्त रथ, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, पंचकर्म विभाग के चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सामूहिक भागवत कथा का आयोजन 7 नवम्बर से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सनराइज सिटी निवारू में सामूहिक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 7 नवंबर को किया जाएगा। इसी कड़ी में कथावाचक पूजनीय श्री गोपाल नंदन जी महाराज (श्री धाम वृंदावन वाले) को सनराइज सिटी के वासियों ने श्रीफल देकर कथा के लिए निमंत्रण दिया। कथावाचक श्री गोपाल नंदन जी महाराज ने सभी को आशीर्वाद दिया। भागवत कथा के दौरान 7 दिनों तक मधुर संगीत के साथ श्रोता भगवान की लीलाओं का श्रवण करेंगे। रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारम्भ किया जाएगा। अंत में भक्तों के लिए भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

सर मोटूराम प्रसादम् पर सिद्धांत, मालविका ने चखा दाल-बाटी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एयरपोर्ट टर्मिनल 2 के पास सर मोटूराम प्रसादम् पर फिल्म युद्ध के प्रमोशन के लिए पहुंचे सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहन और राघव जोयल पहुंचे। अभिषेक शर्मा ने बताया कि सेलेब्रिटिज ने यहां दाल-बाटी-चूरमा का स्वाद चखा और प्रसादम् के आतिथ्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

स्वास्थ्य विभाग बना मूकदर्शक: बायो वेस्ट निस्तारण की नहीं होती समुचित व्यवस्था!

क्लिनिक को बनाया अवैध मेडिकल स्टोर!

पिण्डवाड़ा भारजा काछोली सहित अन्य क्षेत्र में बीएचएमएस डॉक्टर कर रहे एलोपैथिक ईलाज!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। जिला शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ माना जाता है। यहा की जनता या यूँह कहे लोग बड़े सहज, सरल, मानवीय दृष्टिकोण से ओतप्रोत है। इसी सरलता और सहजता का बाहरी कुछ लोग सिरोही की भोली-भाली जनता को गुमराह करने का काम कर रहें है। उनका आर्थिक शोषण करने से बाज नहीं आ रहें।उनकी आँखो में धूल झोंकने का काम कर रहें है। इलाज के नाम पर उन्हें ठग रहें है। सिरोही जिले में पिण्डवाड़ा कछोली, भारजा सहित अनेकों गावों, शहरों व कस्बो में बीएचएमएस डिग्री धारी अपने आपको एमबीबीएस डॉक्टर मानकर एलोपैथिक इलाज कर रहें है। जो की नियय विरुद्ध सरासर गलत है। जबकि वो केवल होम्योपैथिक डॉक्टर है। जो एलोपैथिक इलाज करने लिए अधिकृत नहीं है । फिर भी यह खेल जिले में कई वर्षों से चल रहा है। विभागीय जिम्मेदारों की मेहरबानी गंभीर सवालों के दायरे में है। आखिर जिम्मेदार सिरोही प्रशासन क्यों इन पर मेहरबान है? यह जिले के लिए और प्रदेश सरकार के मुखिया के लिए भी सोचनीय विषय है। जिले के नेता जी भी मस्त है उन्हें भी सिरोही जिले की जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं बस अपनी राजनीति रोटियां सेंकने का काम कर रहें है।

क्लीनिक पर एलोपैथिक दवाइयां का स्टॉक

जिले में आज दिन तक किसी जिम्मेदार अधिकारी ने यह जांच करने की जहमत नहीं उठाई नियमों को ताक पर क्लिनिक चलाने वालो के पास भारी मात्रा में दवाईयां कहा से पहुंच रहीं है? और किसकी पनाह और मेहरबानी से पहुंचती है? जो दवाई मरीजों को दी जा रहीं है वो गुणवत्ता युक्त है या नहीं। इसकी भी जांच नहीं होती? इनके पास भारी मात्रा में दवाई पहुंचाने वालों के आगे मानो जिम्मेदार भी नतमस्तक है जो कई सवाल खड़े करता है? इस मेहरबानी के पीछे क्या रहस्य है? इसको जानने के लिए हर कोई उत्सुक है। यह सब बिना मिलीभगत के शायद ही सम्भव हो?

बायोंवेस्ट निस्तारण की नहीं समुचित व्यवस्था

बीएचएमएस डॉक्टर के क्लिनिक पर बायावेस्ट निस्तारण की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होती। संक्रमित नीडल्स सहित अन्य संक्रमित वेस्ट को उधर-उधर डालने से जीव जंतुओं के द्वारा उसका सेवन करने से उनके जीवन पर भी खतरा मंडराने की प्रबल आशंका है। परन्तु इस पर भी कोई ध्यान नहीं देता। जो पर्यावरण प्रदूषण के लिए बहुत घातक सिद्ध भी हो सकता है।

बीएचएमएस डॉक्टर एलोपैथिक प्रैक्टिस कर रहे हैं वह नियम विरुद्ध है, इनके खिलाफ नियमा अनुसार कार्रवाई की जाएगी, आयुर्वेद के डॉक्टर कुछ दवाई का अलग से विशेष डिप्लोमा करता है तों प्रैक्टिस कर सकता है, बाकि दवाई बगैरा स्टॉक में रखना अवैध है उचित कार्रवाई कि जायेगी।

डॉ राजेश कुमार मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी सिरोही

उत्साह से किया गणपति विसर्जन

» जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। क्षेत्र के गुड़ामालानी के ग्राम पंचायत पीपराली में 7 सितंबर से लगातार हर वर्ष की भांति गणपति बप्पा मोरिया के गरबे का आनंद गांव में महिला बच्चे बुजुर्ग आदि रात्रि के चौपाल ले रहे थे 17 सितंबर मंगलवार को गणपति बप्पा मोरिया का गांव में बने तालाब में ग्रामीणों द्वारा विसर्जन किया गया । जसराज शर्मा, अशोक शर्मा, आईदान मैहरा, केवल संत भार्गव, पुरखाराम प्रजापत, भैराराम शर्मा, विक्रम प्रजापत आदि ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

तीन दिन के अमेरिकी दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे के लिए अमेरिका जाने वाले हैं। वह अमेरिका में 'क्वाड शिखर सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे। साथ ही वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा 21 सितंबर से शुरू होगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि 21 सितंबर को पीएम डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वाड नेताओं की शिखर बैठक में शामिल होंगे, जिसकी मेजबानी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। इस साल क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करने की बारी भारत की थी।

संत-महंतों ने चादर ओढ़ाकर किया स्वागत, कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रैवासा पीठ के 18वें पीठाधीश्वर बने राजेंद्रदास देवाचार्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। रैवासा पीठ के उत्तराधिकारी राजेंद्र दास देवाचार्य चादरपोशी के बाद पीठ के 18वें पीठाधीश्वर बन गए हैं। चादरपोशी का कार्यक्रम जानकीनाथ बड़ा मंदिर परिसर में हुआ। सबसे पहले प्रमुख पीठाधीश्वरों, महामंडलेश्वरों व साधु-संतों ने पूजा अर्चना कर विधि-विधान के साथ रैवासा की गद्दी पर उत्तराधिकारी राजेंद्र दासदेवाचार्य महाराज को विराजितकिया। इसके बाद वे रैवासा पीठ के नए पीठाधीश्वर घोषित किए गए। बाद में सभी संत-महंतों ने पीठाधीश्वर राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज को चादर ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्माभी पहुंचे। मंदिर प्रांगण में चादरपोशी होने के बाद नए पीठाधीश्वर को पांडालमें ले जाया गया, जहां संत-महंतोंने उनका चादर ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान

अनेक पीठों के पीठाधीश्वरों, महामंडलेश्वरों और संत महंतों ने संबोधित किया। मंदिर प्रांगण में सीएम भजनलाल शर्माभी पहुंचे और पीठाधीश्वर राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज की चादरपोशी कर उनसे आशीर्वाद लिया।सीएम आधे घंटे तक मंदिर में रुके। इस अवसर पर कार्यक्रम राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, हवामहल विधायक और हाथोज महंत बालमुकुंद आचार्य, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक गोवर्धन वर्मा, सुभाष मील, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल सिखवाल, रैवासा गांव के सरपंच सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

देवलोकगमन से 3 दिन पहले सौंपा वसीयतनामा

पीठाधीश्वर राजेंद्र दास देवाचार्य ने गद्दी संभालते हुए कहा कि मैं महाराज (राघवाचार्य) से कई बार मिला। लेकिन उन्होंने इस विषय में कभी बात नहीं की। देवलोकगमन से 3 दिन पहले (27 अगस्त) उन्होंने राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी को बुलाकर अपना वसीयतनामा सौंपा। पीठाधीश्वर ने कहा कि राघवाचार्य महाराज उनसे इतना प्रेम करते थे कि उन्होंने अपने इच्छा- पत्र पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से हस्ताक्षर करवा कर मुझे रैवासा पीठ का उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि अगर राघवाचार्य महाराज उन्हेंयह जिम्मेदारी देने से पहले बताते तो मैं उनके पैर पकड़ कर मना कर देता, लेकिन अब वह मुझे रैवासा पीठ की जिम्मेदारी सौंप कर गए हैं तो मैं निश्चित इस जिम्मेदारी को निभाऊं गा और रैवासा पीठ को आगे तक ले जाने के लिए काम करूं गा।

कार्यक्रम में ये साधु-संत रहे मौजूद

कार्यक्रम में घाना पीठाधीश्वर महंत बजरंग देवाचार्य तापड़िया धाम, महामंडलेश्वर महंत सियारामदास गलता गेट, महंत अयोध्यादास, महंत अलबेली माधुरीशरण शुक्र संप्रदाचार्य, महंत राजूदास हनुमानगढ़ी, सतुआ बाबा बनारस, आचार्य पीठ जयरामदास महाराज श्रीबालंद मठ जयपुर सहित अनेक धर्माचार्य चादरपोशी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। महामंडलेश्वर रंग महल के महंत जी, आचार्य किशोर दास वृंदावन, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता गौरीशंकर दास हनुमानगढ़ी, ईश्वरदास महाराज ऋषिकेश, महामंडलेश्वर ओमकार दास चित्रकू ट आदि मौजूद रहे।

समन्दर हिलोड़ भाई ने पिलाया बहन को पानी

» जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। क्षेत्र के सनावड़ा खुर्द में समन्दर के त्योहार को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया। वर्षों से मना रहे इस परम्परा को कायम रखें हुए हैं। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले बहन तालाब से 365 तगारी मिट्टी तालाब या नाडी की पाल पर डालती हैं और फिर उस तालाब की पूरी साफ सफ़ाई करती हैं और फिर भाद्रपद शुक्ल पक्ष के ग्याहरस के दिन भाई अपनी बहन के साथ समन्दर की पूजा कर एक दूसरे को समन्दर का पानी पिलाते हैं। ऐसे में सनावड़ा खुर्द में समन्दर हिलोड़ा गया। जिसमें भाई विजयसिंह डेडवा ने अपनी बहन को समन्दर का पानी पिलाया।इस दौरान समस्त ग्रामीण मौजूद रहे।

हप नहीं होने से आये दिन सड़क दुर्घटना

» जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। क्षेत्र के गुड़ामालानी सड़क राज होटल के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 68 सड़क पर चार रास्ता व मोड़ होने की वजह से सड़क क्रॉस करते समय आए दिन वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 68 सड़क के किनारे बब्बूल के बड़े-बड़े पेड़ों व मोड़ की वजह से चार रास्ता क्रॉस करते समय वाहन चालकों की नजर वाहनों पर नहीं रहती हैं और वाहन भी स्पीड से निकलते हैं इसलिए आए दिन दुर्घटना होती रहती हैं क्षेत्र वासियों का कहना है कि समय रहते अगर हप नहीं बनाया गया तो कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा सड़क विभाग के अधिकारी कर रहे हैं बड़ी लापरवाही ।

दिव्यांगों ने लिया कम्प्यूटर प्रशिक्षण

» जागरूक जनता @ उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगजन के स्वर रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के तहत 24वें कम्प्यूटर प्रशिक्षण बैच का समापन हुआ। सेवा महातीर्थ बड़ी स्थित संस्थान परिसर में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र में देश के विभिन्न राज्यों से नि:शुल्क दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए आये 24 चौबिस किशोर-किशोरियों ने तीन माह के इस कोर्स को पूर्ण किया। यूनिट हेड अनिल आचार्य ने सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर प्रशिक्षक मनीष मेनारिया व विष्णु रावत भी उपस्थित थे।

सांचौर के बिश्नोई बने दक्षिण भारत रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य

» जागरूक जनता @ सांचौर। दक्षिण पश्चिम रेलवे मंडल कार्यालय हुबली की ओर से जारी विज्ञप्ति में समाजसेवी बीरबल एम. बिश्नोई को दक्षिण पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया है। बिश्नोई दक्षिण भारतीय बिश्नोई समाज के अध्यक्ष के साथ भगवान महावीर जयपुर आर्टिफिशियल लिंब सेंटर के उप चेयरमैन और निदेशक के रूप में कई सालों से कार्य कर रहे हैं। बता देते है कि भगवान महावीर आर्टिफिशियल लिंब सेंटर के जरिए दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों में 100 से ज्यादा कैंप लगाकर अभी तक 48000 से ज्यादा दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ पांव लगाने का कार्य इस संस्था द्वारा किया जा रहा है।इसके अलावा अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के कई वर्षों से आप सक्रिय सदस्य हैं। लायंस क्लब ऑफ हुबली के पिछले कई सालों से विभिन्न पदों पर रहते हुए दो बार आप अध्यक्ष रहे और नॉर्थ कर्नाटका और गोवा के बेस्ट लायंस क्लब का अवार्ड भी हासिल करने में सफल रहे।व्यापार के साथ-साथ पिछले कई सालों से कई सामाजिक संस्थाओं के साथ आपके जुड़ाव को देखते हुए दक्षिण पश्चिम मंडल रेल कार्यालय हुबली से आपको यह नियुक्ति दी गई है।

विधिक चेतना समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित

» जागरूक जनता @ सिरोही। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिरोही जिले हेतु गठित विधिक चेतना समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रामदेव सांदू ने बताया कि सिरोही न्यायाक्षेत्र में अधिकाधिक विधिक सेवाओं के प्रचार प्रसार व उपलब्धता हेतु प्रत्येक त्रै-मास में विधिक चेतना समिति की बैठक का आयोजन किया जाता है। बैठक में समिति अध्यक्ष व सदस्य द्वारा विधिक चेतना समिति द्वारा सिरोही न्याय-क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा करतें हुए प्राधिकरण व विभिन्न तालुकाओं द्वारा राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा निर्धारित एक्शन प्लान के अनुरूप अधिकाधिक संख्या में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने व उनका प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया।

सालीग्राम ने किया नौकाविहार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दूदू। जिले के साली ग्राम स्थित गोविंद सागर तालाब पर इस वर्ष जलझूलनी एकादशी का आयोजन अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान राधे गोविंद, बांके बिहारी, सीताराम जी, और वराह अवतार भगवान की सजी-धजी अलौकिक झांकियों ने इस वर्ष पूर्ण भरे तालाब के पवित्र जल में जल विहार किया। यह अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक आनंद का स्रोत बना। प्रदेशभर में साली ग्राम का यह आयोजन अपनी विशिष्टता के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ झांकियों को पानी में डोलाने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। भक्तजन स्वयं तैरते हुए झांकियों को अपने हाथों से खींचकर तालाब के

बीच स्थित टापू पर ले जाते हैं, जहाँ विधिवत पूजा की जाती है। इसके पश्चात झांकियां विभिन्न घाटों से होकर पुनः गोविंद घाट पर वापस लाई जाती हैं, जहाँ भव्य आरती का आयोजन होता है। हजारों की संख्या में आस-पड़ोस के गांवों और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने इस दिव्य आयोजन का आनंद लिया और भगवान की झांकियों के जल विहार के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य किया। तालाब के किनारे की गई पूजा, भक्ति संगीत, शंखनाद और घंटियों की मधुर ध्वनि ने इस धार्मिक कार्यक्रम को अत्यंत पवित्र और भव्य बना दिया।

न्युवोको ने ज़ीरोएम रूफ शील्ड किया लॉन्च

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, ने अपना नया इनोवेटिव उत्पाद, न्युवोको का ज़ीरो एम रूफ शील्ड लॉन्च किया है। यह नया और दमदार सिंगल-कम्पोनेंट वाटरप्रूफ कोटिंग छतों और दीवारों के लिए खास सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जो उन्हें पानी के रिसाव से बचाती है। न्युवोको ज़ीरो एम रूफ शील्ड एक अत्याधुनिक सॉल्यूशन है, जो दोहरे लाभ प्रदान करता है, जिनमें बेहतर वॉटर प्रूफिंग और सतह के तापमान को प्रभावी रुप से कम करने की क्षमता है। ज़ीरो एम रूफ शील्ड की लचीली झिल्ली दरारों को भरने के लिए डिजाइन की गई है, जो रिसाव, उम्र बढ़ने और मौसम के प्रभाव के लिए लंबे समय तक चलने वाला प्रतिरोध प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, रिफलेक्टिव कोटिंग तेज गर्मियों के दौरान सतह के तापमान को 10 डिग्री सेल्सियस तक कम कर देती है, जिससे यह ठंडे और अधिक आरामदायक रहने वाले स्थानों को शीतल बनाए रखने के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड हैड मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस चिराग शाह ने कहा कि न्युवोको ज़ीरो एम रूफ शील्ड की शुरूआत हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले इनोवेटिव और सस्टेनेबल समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ईको फ्रेंडली रूप से गणपति बप्पा की मूर्ति का किया विसर्जन-जेडी चारण

» जागरूक जनता @ सिरोही। मुख्यालय के बालाजी सेक्टर में विश्वास टाऊनशिप में ईको फ्रेंडली तरीके से गणपति बप्पा की मूर्ति का विसर्जन किया गया। विश्वास टाऊनशिप के अध्यक्ष जेडी चारण ने बताया है कि पिछले 7 दिन पूर्व गणपति की मूर्ति की विश्वास टाऊनशिप में विधि विधान से स्थापना की थी इन 7 दिनों में सुबह शाम विधि विधान से आरती व शाम को रोजाना सांस्कृतिक कार्यक्रम व बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें मातृशक्ति व बच्चों ने भाग लिया विजेताओं को इनाम विरतण भी किया गया। अबके ईको फ्रेंडली व पर्यावरण को ध्यान रखते हुए मिट्टी की मूर्ति की स्थापना के बाद विसर्जन भी ईको फ्रेंडली तरीके से किया गया। सोसायटी कमेटी के अनुसार सोसायटी में ही गणपति बप्पा मूर्ति की परिक्रमा की गई उसके बाद मंत्रोच्चार के साथ महादेव मंदिर के पास सुद्ध जल से मूर्ति पर जलाभिषेक सभी भक्तों के द्वारा किया गया।

विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर का तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने जाना तंबाकू के दुष्प्रभाव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में चित्तौड़गढ़ जिले के 11 ब्लॉक राशमी, गंगरार, निंबाहेड़ा, कपासन, भोपाल सागर, भदेसर, डूंगला, चित्तौड़गढ़, बड़ी सादड़ी, बेगू, रावतभाटा क्षेत्र में निजी एवं सरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए

कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी जा रही है। जिले के विद्यालयों में सोसायटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर में 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 के जुर्माने का

प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया क्षेत्र में सोसाइटी के प्रतिनिधि बतौर गौरव कुमार मिश्रा एवं वैभव मिश्रा, अनिल कुमार, प्रेम प्रकाश, एवम सतीश कुमार उक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं। प्रतियोगिता विजेताओं को पुरुस्कृत भी किया जा रहा है। इससे पहले बारां जिले में भी इस प्रकार तंबाकू के दुष्परिणामों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया।

सरकार की छवि हो रहीं धूमिल!

एसीबी डीजी और सूबे के मुखिया को माउंट की हालातों पर दिखानी होंगी गंभीरता!

किसकी मेजरबानी से दिन रात अवैध निर्माण सामग्री पहुंच रहीं है माउंट जिम्मेदार कौन..?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में वन निर्माण कार्य की सख्त पाबंदी है, उसके बावजूद भी माउंट में सरेआम अवैध निर्माण के कार्य हो रहें यह हम नहीं कर रहें यह जो आप तस्वीरों में देख रहें है जिसको माउंट आबू नगरपालिका के कार्मिको द्वारा ध्वस्त किया जा रहा है।

यह अवैध निर्माण की ही तस्वीर आपके सामने है सबसे बड़ा सवाल यह उठता है की इन निर्माण कार्य को बनाने के लिए यहा तक सामग्री किसी मेहरबानी व पनाह से पहुंची। जबकि माउंट आबू में आने के लिए केवल एक ही रास्ता है जिसपर नगरपालिका ला सख्त पहरा कहे या 24 घंटे नाका बंदी रहती है फिर इतनी भारी मात्रा में निर्माण सामग्री माउंट आबू कैसे पहुंच रहीं है। यदि पूरे मामले पर एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरडा गंभीरता दिखाए तों कई राज खुल सकते है।

वहीं विभागीय सूत्रों का दावा है की निर्माण शाखा के निर्माण स्वीकृति का चार्ज संविदा कर्मी के पास है ऐसे में सवाल उठना वाजिब है ज़ब अन्य सरकारी कार्मिक क्या इस चार्ज को संभालने के लिए काबिल नहीं रहें जो संविदा कर्मी को चार्ज दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल तों यह भी है माउंट आबू में SDM का पद है IAS कैडर का है फिर भी यह मेहरबानी गंभीर सवालों के दायरे में प्रतीत होती है। सूबे के मुखिया और एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा यदि विषय पर दिखाए गंभीरता तों खुल सकते है कई राज?

जबकि माउंट आबू विकास कमेटी के अध्यक्ष है स्वयं प्रदेश के मुखिया है। ऐसे में सीएम के दायित्व का निर्वहन SDM के मार्फत होता है। फिर भी यह हालत है तों ऐसे में कई सीएम की साफ-सुथरी छवि को कुछ लोग पलीता लगाने का काम नहीं कर रहें?

दाता की बेटियों ने 28 वर्ष बाद जीता फाइनल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साँचौर। जिला स्तरीय 68वीं 17 व 19 वर्ष वर्गीय छात्रा कबड्डी प्रतियोगिता में जिला स्तर पर 28 वर्ष बाद कबड्डी खेल में राउमावि दाता ने फ़ाइनल मुक़ाबला जीतकर इतिहास रचा।

चैम्पियन टीम का दाता ग्रामवासियों ने जीत के बाद खिलाड़ियों का गांव पहुंचने पर ढोल की थाप और जयघोष के साथ विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया और साथ ही राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित होने पर व्याख्याता लालाराम चौधरी का भी सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामवासियों ने चैम्पियन टीम 51 हजार रूपये का नकद व साथ ही दीवार घड़ी पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मोतीराम चौधरी ने बताया कि खिलाड़ियों की दिन रात की मेहनत का ही फल है। तेजाराम माँजू ने अधिक लगन और मेहनत से अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

नेशनल खिलाड़ी एवं शारीरिक शिक्षक भूराराम चौधरी, संस्था प्रधान रामनिवास विश्नोई ने भी अपने विचार रखें। इस मौक़े पर सरपंच प्रतिनिधि भगराज मांजू, पूर्व सरपंच इसराराम, नाथाराम चौधरी, भागीरथ डारा, भाखराराम सारण, भेराराम पुरोहित, बलवंताराम वरड़, पूर्व कैप्टन हरीराम जाणी, जयकिसन सारण, हरचंदराम चौधरी, ओमप्रकाश डारा, जगदीश डारा, डॉक्टर इंदू बिश्नोई प्राध्यापक नरसी लाल सोनी, मनोहरलाल बिश्नोई, भेराराम बिश्नोई, नारायणराम भादू, मोहनलाल विश्नोई, गणपत माँजू, बाबूलाल सियोल, भोमाराम देवासी, रघुनाथराम मान्जु, रमेश चौधरी, प्रकाश मांजू, प्रदीप मांजू, दिनेश भादू सैकड़ों ग्रामीण सहित छात्र छात्रा उपस्थित रहें।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
जागरूक WORLD & दुनिया
जयपुर, बुधवार, 18 सितम्बर - 24 सितम्बर 2024
08
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

डॉक्टरों की होगी यूनिक आईडी, रजिस्ट्रेशन शुरू

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। देश में अब हर डॉक्टर की एक अलग पहचानहोगी। उन्हें एक यूनि क आईडीनंबर दिया जाएगा। सरकार ने सभी डॉक्टरों के लिए नेशनल मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया। डॉक्टरों को एमबीबीएस सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन और आधार कार्ड सबमिट करना होगा। इस पोर्टल को नेशनल मेडिकल कमीशन ने तैयार किया है। बता दें कि एनएमआर एक डेटाबेस है, जिसमें कें द्रीयकृ त रूप से सभी पंजीकृ त डॉक्टरों की जानकारी दर्ज होगी और उनकी प्रामाणिकता आधार आईडी द्वारा सत्यापित की जाएगी। इस पहल से देश के डॉक्टर्स का व्यापक डेटा तैयार होगा।

बीसलपुर बांध से 3 गेटों से पानी की निकासी जारी

» जागरूक जनता @ जयपुर। बीसलपुर बांध के आस-पास के क्षेत्र और कैचमेंट एरिया में पानी की आवक में कमी आई है। बीसलपुर बांध के कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले सोमवार को बांध के चार गेट खोलकर बनास नदी में कुल 12 हजार 20 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। लेकिन मंगलवार को इन गेटों में से एक को बंद कर दिया गया, जिससे पानी की निकासी में कमी आई है।

अग्निवीरों के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने किया बड़ा ऐलान, दी...

युवाओं को नौकरी की गारंटी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भिवानी। हरियाणा विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्य में हर राजनीतिक दल जनता को लोक-लुभावने वायदे बेचने की कोशिश कर रहा है। हरियाणा चुनाव 5 अक्टूबर को होने हैं, ऐसे में हर राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार में जुटा हुआ है। बीजेपी नेता व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी अपनी रैलियां कर रहे हैं। अमित शाह ने आज भिवानी की एक जनसभा को संबोधित किया। रैली में शाह ने अग्निवीर योजना को लेकर युवाओं से एक बड़ा वादा कर दिया है।

अग्निवीर योजना पर राहुल और कांग्रेस फैला रही भ्रम

गृहमंत्री अमित शाह ने भिवानी में कहा कि अग्निवीर योजना को लेकर विपक्ष, राहुल गांधी और हुड्डा परिवार देश में युवाओं के बीच भ्रम फैला रहे हैं। इसी के साथ ही गृहमंत्री ने युवाओं को अग्निवीरों योजना को लेकर एक बड़ी गारंटी दे दी। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा के सभी अग्निवीरो को गारंटी देता हूं कि वह जब आर्मी से वापस आएंगे तो हम उनको नौकरी देंगे।

कांग्रेस पर बोला हमला

शाह ने आगे कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी का एक ही एजेंडा है कि वह पाकिस्तान से बात करना चाहते हैं और आतंकियों को छुड़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फिर से अनुच्छेद 370 वापस लाना चाहती है, लेकिन कभी ऐसा नहीं कर पाएगी।

पीओके को लेकर भी बड़ा दावा

रैली में अमित शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर भी दावा किया, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी हमारा है, वह भी भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती वीरों की धरती है। हरियाणा के जवान आज देश में आर्मी का सम्मान बढ़ा रहे हैं।

'हुड्डा सरकार थी तो पर्ची व खर्ची के जरिए से नौकरी'

उन्होंने आगे खिलाड़ियों को लेकर कहा कि ओलंपिक हो,या पैरालंपिक.. सभी में हमारे हरियाणा के युवाओं ने देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा कांग्रेस आपस में लड़ रही है। यहां हर कांग्रेसी नेता सीएम बनना चाह रहा है। अमित शाह ने आगे कहा कि हरियाणा में जब भूपेंद्र हुड्डा की सरकार थी तो पर्ची और खर्ची के जरिए से नौकरी मिलती थी, लेकिन बीजेपी सरकार में सब पारदर्शी तरीके से होता है।

'स्वच्छता ही सेवा' 'स्वच्छ राजस्थान, समृद्ध राजस्थान' अभियान कार्यक्र म का उद्घाटन

कचरे से बने उत्पाद देंगे आर्थिक सम्बल-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' 'स्वच्छ राजस्थान, समृद्ध राजस्थान' अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर हैनिमन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी (HCMS) की सचिव मोनिका गुप्ता ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर और रक्षा सूत्र बांधा। इस कार्यक्रम में कचरे से बने उत्पादों के 30 स्टॉल स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए, जिनमें जयपुर ग्रेटर और HCMS द्वारा लाख, गाय के गोबर और मंदिर के फूलों के अपशिष्ट से बनाए गए विभिन्न उत्पादों ने सभी का ध्यान खींचा।

लाख की चूड़ियां, दीपक, हवन सामग्री, धूपबत्ती, राखी आदि जैसे उत्पादों ने न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दिया है बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री ने जयपुर नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य सरकार की स्वच्छता अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह के नवाचार से न केवल पर्यावरण संरक्षण होगा बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

एचसीएमएस के सचिव ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण दोनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों से राजस्थान को एक स्वच्छ और समृद्ध राज्य बनाने का लक्ष्य जल्द ही पूरा होगा।

कार्यक्रम में अन्य गणमान्य मंजू शर्मा संसद सदस्य जयपुर, राजस्थान, गोपाल शर्मा विधायक, सिविल लाइंस (जयपुर), नगर निगम जयपुर ग्रेटर के महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त रुक्मणि रियाड, जयपुर हेरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराना और उप आयुक्त नवीन भारद्वाज उपस्थित रहे।

भारतीय हॉकी टीम ने रचा इतिहास, 5वीं बार जीता एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब, चीन को किया पस्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हरा दिया है। इस मैच की शुरुआत में दोनों टीमों की तरफ से कोई भी गोल नहीं कर पाया था। फिर मैच खत्म होने के कुछ मिनट पहले ही भारत के लिए जुगराज सिंह ने गोल किया। इसी गोल की वजह से भारतीय हॉकी टीम खिताब जीतने में सफल रही। भारत ने कुल पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। चीन ने पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी और उससे पहली ही बार में शिकस्त मिली है।

पहले 3क्वार्टर तक दोनों टीमों का कोई गोल नहीं

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की तरफ से प्लेयर्स गोल करने में नाकाम रहे। भारत ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई। भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला। दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों की तरफ से कोई गोल नहीं हुआ। तीसरे क्वार्टर में चीन ने गोल करने के लिए कई हमले किए हैं, लेकिन उनकी भारतीय गोलकीपर कृष्णा पाठक के आगे एक ना चली।

जुगराज सिंह ने किया दमदार गोल

जब दोनों टीमों के बीच तीसरे क्वार्टर तक कोई गोल नहीं हुआ। ऐसे में लग रहा था कि मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला जाएगा। लेकिन इसके बाद जुगराज सिंह ने बेहतरीन मैदानी गोल करके टीम को मैच में 1-0 की बढ़त दिला दी। इससे भारतीय हॉकी टीम को जीतने की उम्मीदें बढ़ गईं। इसके बाद भारत ने चीन को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। जुगराज का फाइनल में किया गोल टीम को ट्रॉफी जिताने में अहम साबित हुआ।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय

आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक बने प्रो. गुप्ता

» जागरूक जनता @ जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर परिसर स्थित संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक पद पर रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता ने कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर प्रमोद कुमार मिश्रा ने प्रोफेसर गुप्ता को कार्यभार हस्तांतरित किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात सर्वप्रथम प्रो. गुप्ता ने विवि के माननीय कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति एवं कुलसचिव प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला का हार्दिक आभार जताया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में ओपीडी एवं आईपीडी में आने वाले रोगियों की चिकित्सा सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सालय को एन.ए.बी.एच. मान्यता एवं नैक एक्रेडिटेशन तथा अन्य सुविधाओं में विस्तार किया जाएगा।

हिंदी काव्य महोत्सव आयोजित

» जागरूक जनता @ जयपुर। केशव विद्यापीठ समिति, जामडोली में त्रिवेद भास्कर स्मृति हिंदी काव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. नंदकिशोर पांडेय (विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर) रहे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पलक शर्मा,द्वितीय पुरस्कार शिवांगी भारद्वाज, तृतीय पुरस्कार इंशिका तथा सांत्वना पुरस्कार, अंबिका भाटी को प्रदान किया गया। केशव विद्यापीठ अध्यक्ष ओ. पी.गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया तथा डॉ.मुरलीधर शर्मा (सचिव केशव विद्यापीठ) ने काव्य पाठ प्रतियोगिता की पृष्ठभूमि एवं प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। अशोक गुप्ता (संयुक्त सचिव केशव विद्यापीठ) ने कार्यक्रम के अंत में आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सभी संस्थाओं के पदाधिकारी, संस्था प्रधान एवं आचार्य बंधु, भगिनी उपस्थित रहे।

मैराथन दौड़ के साथ स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ

स्वच्छता मिशन में दौड़ा भुसावर का युवा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भुसावर। भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के निर्देश अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के उद्देश्य को लेकर मैराथन दौड़ में स्वच्छता का संदेश दिया। स्थानीय विधायक बहादुर सिंह कोहली के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश जाटव की अध्यक्षता एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष धीरज पांडे सहित पार्षदों के विशिष्ट आदित्य में नगर पालिका साथी अधिकारी सुरेश मीणा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्री आर्य महिला विद्यापीठ भुसावर से पीएम श्री जगन्नाथ पहाड़िया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुसावर के खेल मैदान तक लगभग 2 किलोमीटर दूरी कि इस दौड़ में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अधिशासी अधिकारी सुरेश मीणा ने बतलाया कि भारत सरकार एवं आवासन शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूर्ण होने पर इसकी थीम स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता को सफल बनाने के लिए अनेको कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जो आगामी 2 अक्टूबर को कार्यक्रम के समय समाप्त होने के साथ ही पूरे होंगे नगर पालिका का मुख्य उद्देश्य नगर पालिका क्षेत्र को स्वच्छ बनाना है जिससे भारत देश का सपना पूरा हो सके। युवाओं के साथ कस्बे के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया! मैराथन दौड़ को स्थानीय विधायक मुख्य अतिथि बहादुर सिंह कोली एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश जाटव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सभी धावकों के निश्चित स्थान पर पहुंचने के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विधायक कोली ने कहा कि हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वच्छता पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक संचालित रहेगा जिसमें विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किए जाएंगे। अतिथियों द्वारा स्थानीय रामेश स्वामी पार्क में सफाई प्रारंभ कर स्वच्छता का संदेश दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने पर सौंपी चाबी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भुसावर। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा एवं प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने वाले आवासों में गृह प्रवेश समारोह पंचायत समिति परिसर में आयोजित किया गया समारोह के मुख्य अतिथि बहादुर सिंह कोली रहे । अध्यक्षता प्रधान सफेदी देवी ने की। भुसावर पंचायत समिति विकास अधिकारी गिर्राज प्रसाद बुनकर ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से स्वच्छता सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पंचायत समिति परिसर में प्रधान सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारीगणों ने साफ सफाई के साथ श्रमदान किया।

ग्राम पंचायत बरौली के ग्राम अटारीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सामुदायिक शौचालय परिसर, ग्राम पंचायत सलेमपुर कला के पशु चिकित्सालय में सामुदायिक शौचालय परिषद का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री आवास 2023-24 एवं 2024- 25 में पूर्ण होने वाले आवासों में गृह प्रवेश के लाभार्थियों को विधायक द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र प्रतीकात्मक चाबी, सॉल एवं उपहार स्वरूप श्रीफल व मिठाई भेंट की।

दाता की चैम्पियन बेटियां जिले की सीनियर कबड्डी टीम का करेगी प्रतिनिधित्व

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साँचौर। 68वीं राज्यस्तरीय बालिका वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में राउमावि दाता की छात्राएँ कोमल डारा,लक्ष्मी चौधरी व सुशीला डारा का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। दाता टीम की छात्रा सुशीला डारा सांचौर ज़िले की टीम का प्रतिनिधित्व करेगी व कोमल डारा मुख्य रेडर के तौर पर भूमिका निभाएंगी। यह प्रतियोगिता गंगानगर ज़िले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावलामंडी घडसाना अनूपगढ़ में शुभारंभ हुआ। दाता टीम प्रभारी डॉक्टर इंदू बिश्नोई ने बताया कि इन छात्राओं का चयन मेरे विद्यालय के लिए गर्व और सम्मान भरा है।गत दिनों रा उ मा वि पथमेड़ा में जिला स्तरीय कबड्डी क्रीड़ा प्रतियोगिता में दाता की टीम 19 वर्षीय छात्रा वर्ग में ज़िले की विजेता टीम रही। तीनों बालिकाओं ने जिला स्तर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में अपना स्थान कायम किया है। संस्था प्रधान रामनिवास विश्नोई ने बताया कि दाता विद्यालय की भूमिका पिछले वर्ष भी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर कबड्डी खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। जिसमें पूजा डारा और उर्मिला चौधरी ने शानदार प्रदर्शन किया था। इस वर्ष भी दाता स्कूल की तीन बालिकाएं जिले की बालिका कबड्डी खिलाड़ी के रूप में अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को खेल में अच्छा प्रदर्शन करने एवं जीत हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

बाबा श्याम के जयकारों से गूंजा चौमूं

» जागरूक जनता @ चौमूं। शहर के बस स्टैंड स्थित प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर प्रांगण के बाहर सोमवार देर रात श्री श्याम सत्संग मंडल चौमू के तत्वावधान में 44वां वार्षिक उत्सव मनाया गया। इस मौके पर महाआरती के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ और देर रात्रि तक श्री श्याम बाबा के भजनों का गुणगान किया गया। इस मौके पर कोलकाता व दिल्ली के फूलों से आकर्षक श्री श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिला पुरुष और बच्चे मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम में जयपुर के हवामहल से विधायक बालमुकुंद आचार्य, चौमू विधायक डॉ. शिखा मील बराला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, चौमू नगर सभापति विष्णु सैनी, चौमू नगर उपसभापति किरण शर्मा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आशीष दुसाद, राजकुमार शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। श्री श्याम सत्संग मंडल के मीडिया प्रभारी कमल कुमावत ने बताया कि

कार्यक्रम में माधवी शर्मा और पारस लाडला वृंदावन से, मनोज शर्मा ग्वालियर से, अजय शर्मा दौसा से, गोपाल सेन जयपुर के गायक कलाकारों द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।कार्यक्र म के दौरान बंटी एंड पार्टी दिल्ली द्वारा मनोरम संजीव झाकियां सजाई गई। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का श्री श्याम बाबा का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस दौरान रात्रि में पटाखों की आतिशबाजी भी की गई। कलाकारों ने श्री श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर समिति के सदस्यो सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। वहीं रात्रि भजन संध्या के दौरान चौमू एसीपी अशोक चौहान के सुपरविजन में थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मॉनिटरिंग की गई और पुलिस का जाब्ता भी तैनात किया गया।

68वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

हिंद जिंक विद्यालय का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। 14, 17 व 19 वर्षीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिंद जिंक विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कीर्तिमान स्थापित किए। विद्यालय ने 14 वर्षीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया साथ ही जन्मजये राव को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के एवार्ड से नवाजा गया और मोक्षित जैन का राज्य स्तर पर चयन हुआ। 14 वर्षीय बैडमिंटन में विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया खिलाड़ी सार्थक राजदेव का राज्य स्तर पर चयन हुआ। बालिका वर्ग में जिनिशा वैष्णव को भी राज्य स्तर पर खेलने हेतु चयनित किया गया। राईफल शूटिंग में दिव्यांशी भट्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तर पर खेलने हेतु चयनित किया गया। बॉक्सिंग में लक्ष्यादित्य भाटी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 17 वर्षीय बैडमिंटन प्रतियोगिता बालक वर्ग में विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आरव सुराणा, व्यक्तिगत द्वितीय स्थान, 17 वर्षीय बैडमिंटन बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कौशिकी व्यक्तिगत द्वितीय स्थान। 17 वर्षीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आदित्य प्रजापति, व्यक्तिगत द्वितीय स्थान व बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, इशिता काबरा, व्यक्तिगत द्वितीय स्थान। कराटे में नौमिका नाहर, अमरप्रीत कौर अरोरा, देवेश जाटलिया ने स्वर्ण व अमेय माहेश्वरी ने रजत पदक प्राप्त किया। 9 वर्षीय शतरंज प्रतियोगिता में विद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया; वत्सल चोखरा, व्यक्तिगत द्वितीय स्थान, आदित्य माहेश्वरी, व्यक्तिगत प्रथम स्थान पर रहे। खेल प्रभारी अंकित खर्ब, विजय राव ने बताया कि निम्न विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर खेलने हेतु चयन किया गया।

माधव विश्वविद्यालय में गणपति प्रतिमा का हुआ विसर्जन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय में गणपति प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। माधव विश्वविद्यालय में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गाजे-बाजे के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन भव्य रूप से किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन प्रो. राज कुमार, प्रो. चांसलर डॉ. बिजेंद्र कुमार गौतम, प्रेसिडेंट डॉ. राजीव माथुर, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत सहित समस्त स्टाफ और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विसर्जन से पूर्व एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें ढोल धमाकों के साथ छात्र-छात्राओं ने गणपति बप्पा के जयकारे लगाए। शोभायात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं ने गुलाल उड़ाई और नृत्य किया। विसर्जन कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों और छात्र नेताओं ने गणेश प्रतिमा को विधिवत विसर्जित किया। इस अवसर पर सभी ने गणपति बप्पा से सुख-समृद्धि और ज्ञान की कामना की। विसर्जन कार्यक्रम से पूर्व यहां विशेष पूजा अर्चना की गई और देश की सुख समृद्धि की कामना की गई। बनास नदी में विसर्जन से पूर्व महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ गरबा नृत्य भी किया गया।

गणपति स्थापना करने से लेकर आज विसर्जन तक यहां पर पिछले 10 दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसको लेकर यहां पर सभी में एक उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के महेंद्र सिंह परमार, डॉ. विष्णु चौधरी, डॉ. संदीप गेहलोत, डॉ. मनोज कुमार बेहरा, डॉ. जिगर सोनी, डॉ. सुशील भार्गव, महेंद्र सिंह गुर्जर, चिराग मालवीया, अभिषेक मीणा, डॉ. भारती देसाई मौजूद रहे। वही छात्रों में महेंद्र सिंह बराला, पृथ्वीसिंह गोहिल, लक्ष्मण भादू, यशपाल सिंह, केतन सोनी, अंकित बाला, राकेश बराला, जयदीप, गौरव शर्मा और अन्य ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान सभी ने बप्पा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए विसर्जन कार्यक्रम को संपूर्ण किया।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039